हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 5 अक्टूबर 2025

9 श्रीराम के राजतिलक के साथ हुआ रामलीला का...

10 अबकी बार दो महीने से एडवांस में डीएपी खाद...

PUSHPANJALI HOSPITAL

पुष्पांजलि अस्पताल

दक्षिण हरियाणा का एकमात्र सबसे बड़ा और सुविधाओं से सुसज्जित अस्पताल

PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE
NABH
ACCREDITED

24x7 Accidental & ट्रामा Facility Available

घुटना एवं कुल्हा
Free for ECHS Panel
बदलने की विशेष सुविधा उपलब्ध

शहर में डायलिसिस की सबसे बड़ी सुविधा उपलब्ध

स्वास्थ्य आपका साथ हमारा

Healthy Beginnings Hopeful Futures

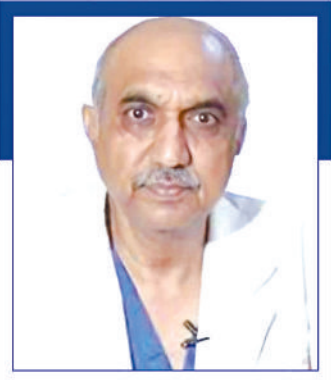

डॉ. प्रो. एस.पी. यादव
MD, PUSHPANJALI HOSPITAL
MBBS, MS (GEN. SURGERY),
MCH URO (AIIMS), SENIOR UROLOGIST

आप सभी क्षेत्रवासियों को धनतेरस, दीपावली, भैया दूज व छट पूजा की शुभकामनाएं

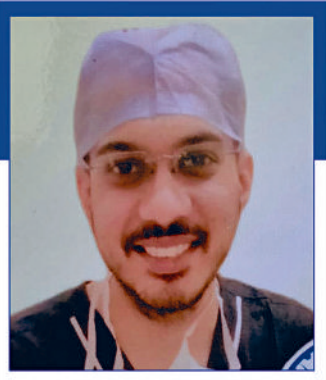

डॉ. श्रेयश यादव
CEO, PUSHPANJALI HOSPITAL
MBBS, MS (ORTHOPEDIC)
वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ

किडनी ट्रांसप्लाट की सुविधा जल्द ही उपलब्ध

25 Bedded ICU & CCU

उपलब्ध सुविधाएं
- गुर्दे, पथरी व मूत्र रोग विशेषज्ञ
- पेट व लिवर रोग विशेषज्ञ
- स्त्री रोग विशेषज्ञ • बाल रोग विशेषज्ञ
- जनरल फिजिशियन • जनरल सर्जन
- न्यूरो सर्जरी • हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
- ट्रामा सेंटर • दंत रोग विशेषज्ञ
- नैफ्रोलोजिस्ट • सी.टी. स्कैन • अल्ट्रासाऊण्ड
- डिजिटल एक्स-रे • पैथ लैब जांच
- कान, नाक गला रोग विशेषज्ञ

हार्ट अटैक एवं हृदय रोग संबंधित उपचार, एंजियोग्राफी (हृदय की नसों की जांच), एंजियोप्लास्टी व स्टेंटिंग, वाल्वोप्लास्टी, इकोकार्डियोग्राफी एवं टीएमटी, पेसमेकर

GASTRO
FACILITY AVAILABLE
ERCP | ENDOSCOPY | COLONOSCOPY

BLOOD CENTER
FACILITY AVAILABLE 24x7 HOURS

DIALYSIS AT THE MOST AFFORDABLE PRICE AT REWARI
- GASTRO
- JOINT REPLACEMENT
- NEURO SURGERY
- GYNAE & OBS.
- CARDIOLOGY
- UROLOGY
- PULMONOLOGY
- PEDIATRICS
- LAPAROSCOPY

RADIOLOGY

ULTRASOUND MACHINE

CT SCAN MACHINE

रेवाड़ी जिले में एकमात्र सर्वोत्तम एवं अत्याधुनिक सी.टी. स्कैन मशीन (16 स्लाईस) अत्याधुनिक अल्ट्रासाऊंड डिजीटल एक्स-रे मशीन

हृदय रोग के लक्षण
- सीने व बाँह में दर्द
- सीने में दबाव व जकड़न
- सीने में जलन
- सांस फूलना
- शुगर एवं थाइराइड

रेवाड़ी क्षेत्र की सबसे बड़ी व आधुनिकतम कैथलैब

ALL MAJOR TPA & CASHLESS FACILITIES AVAILABLE

HERO MOTOCORP | STATE BANK OF INDIA | MARUTI SUZUKI
ECHS | HARYANA GOVT. & AAYUSHMAN BHARAT

C.E.O. : DR. SHREYASH YADAV
DIRECTOR : DR. S.P. YADAV | SH. RAVINDER KUMAR YADAV

PH. : 01274-353300 | M. : 9671456665
Email : pushpanjalihospitalrewari@gmail.com
राजेश पायलेट चौक, गढ़ी बोलनी रोड़, रेवाड़ी

खबर संक्षेप

शस्त्र पूजन व पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित

सतनाली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूर्ण होने पर गांवनावां में भव्य शस्त्र पूजन व पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजकपूर लाम्बा मुख्यतिथि व जिला प्रचार प्रमुख विकास मुख्यवक्ता रहे। वहीं अध्यक्षता जिला संघचालक कप्तान हंसराज ने की। मुख्यवक्ता ने संघ की विचारधारा, राष्ट्र निर्माण में स्वयंसेवकों की भूमिका तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सामाजिक समरसता, शिक्षा व संस्कृति के माध्यम से राष्ट्र को सशक्त बनाने के मुद्दों पर प्रकाश डाला।

बाजरे की खरीद नहीं होने पर धरना देंगे किसान

नारनौल। किसान नेता बलबीर सिंह ने सरकार द्वारा बाजरे की खरीद शुरू न करने पर गहरा रोष प्रकट किया है तथा शीघ्र ही इसके खिलाफ धरना आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने बाजरे की खरीद 23 सितंबर से करने की घोषणा की थी, जबकि फसल को निकले काफी समय भी हो गया है। ऊपर से सरकारी की बाजरे खरीद की घोषणा को भी दस दिन बीत गए हैं, लेकिन अभी तक सरकार ने बाजरे की खरीद शुरू नहीं की है, जिससे किसानों को आर्थिक तौर पर भारी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। इस समय किसानों को अगली फसल की तैयारी के लिए खाद बीज का इंतजाम करना है, उधर आदि चुकानी है। इसलिए किसान नेता ने सरकार से तुरंत बाजरे की खरीद एमएसपी पर सरकारी एजेंसी द्वारा शुरू करने की मांग की है।

श्री विष्णु भगवान मंदिर से निकली निशान यात्रा

महेंद्रगढ़। नवरात्रि के पावन अवसर पर रेलवे रोड स्थित विष्णु कॉलोनी स्थित श्री विष्णु भगवान मंदिर से श्री पहाड़ी माता की 21वीं निशान पदयात्रा श्री पहाड़ी धाम नेकीपुर हरियाणा के लिए निकाली गई। इस पुण्य यात्रा में शहर के अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति भाव का अनुभव किया। इससे पूर्व मंदिर प्रांगण में श्री पहाड़ी माता का भव्य जागरण आयोजित किया गया, जिसमें मोहन यदुवंशी अलवर मुख्य कलाकार के रूप में उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने माता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। रतनलाल माधोगढ़िया ने बताया कि हर वर्ष श्री विष्णु कॉलोनी से श्री पहाड़ी धाम नेकीपुर के लिए निशान पदयात्रा आयोजित की जाती है।

आईटीआई संस्थान व छात्र अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत: डॉ. मंगलसेन

दीक्षांत समारोह में प्रशिक्षुओं और मेधावी प्रशिक्षुओं को किया गया सम्मानित

- दीक्षांत समारोह का शुभारंभ नगराधदीश ने किया
- मुख्य अतिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज नारनौल।

नारनौल। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। व विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ नगराधदीश मंगल सेन ने दीप प्रवज्जलित कर किया। संस्थान के प्रधानाचार्य विनोद कुमार खंगवाल ने संस्थान गतिविधियों व उपलब्धियां के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान व छात्र अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत है तथा नए आयाम स्थापित करते जा रहे हैं। संस्थान की पीपीओ ट्रेड के छात्र अंकित ने पूरे हरियाणा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, छात्र को मुख्यातिथि व प्रधानाचार्य ने टूल किट व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही प्रत्येक व्यवसाय के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्र व छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान स्टेनो ट्रेड के छात्र रितिक का नृत्य सराहनीय रहा। मंच संचालन मेजर वीरेंद्र कुमार सेकवाल व अनुदेशिका ममता यादव ने किया। प्रधानाचार्य द्वारा सेवा पखवाड़े के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अनुदेशको को भी सम्मानित किया। उप प्रधानाचार्य जीवन कुमार जिंदल ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके कार्यालय अधीक्षक सत्यनारायण जांगड़ा, उप अधीक्षक जितेंद्र कौशिक, वर्ग अनुदेशक जगदीश, गुरदयाल, अमित, राजेश, मनीषा यादव, सुरेश कुमारी, रितु, राखी, हरीश, सुरजीत, केशव आदि मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथि पवन यादव ने कहा कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का मुख्य उद्देश्य स्वरोजगार देना होता है। सरकार द्वारा चलाई गई कल्याणकारी योजनाओं में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अपना अहम योगदान अदा करती है।

किया उत्साहवर्धन

मंडी अटेली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान डेरोली अहीर में दीक्षांत समारोह का आयोजन बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ किया गया। इसमें बतौर मुख्यातिथि किशन लाल शिक्षा एवं जन कल्याण समिति से पवन यादव शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि रिटायर्ड अनुदेशक सुरेंद्र व सरपंच लखीराम यादव थे। इस मौके पर अनेक गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहे ।

महेंद्रगढ़ आईटीआई में दीक्षांत समारोह आयोजित

कौशल विकास व औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के निर्देशानुसार राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान महेंद्रगढ़ में शनिवार को दीक्षांत समारोह मनाया गया। समारोह में संस्था प्रधानाचार्य महावीर सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि आईटीआई के रिटायर्ड अधीक्षक राजपाल यादव, विशिष्ट अतिथि पायगा सरपंच वीरभद्र यादव रहे। उन्होंने कौशल प्रतियोगिता में विजेता रहे प्रशिक्षुओं को पुरस्कृत किया। इस कार्यक्रम मे स्टेट टॉपर लोकेश, राकेश व प्रमोद कुमार को 10 से 15 हजार का टूल किट व प्रशंसा पत्र व मोमेंटो दिए गए और संस्थान के ट्रेंड वाइज टॉपर को प्रशंसा पत्र व मोमेंटो दिए गए। मुख्यातिथि राजपाल यादव ने 5100 रुपये बच्चों को दिए। इस कार्यक्रम में एकता यादव, संतोष यादव व स्वीटी ने प्रतियोगिता में विजेता की घोषणा की। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। नशाबंदी को लेकर प्रशिक्षुओं ने एक नृत्य नाटिका का बखूबी प्रदर्शन किया, जिसे सभी ने खूब सराहा। आईटीआई प्रधानाचार्य ने कहा कि आज का समय चुनौतियों से भरा है। अगर आपके हाथ में कोई भी टेक्निकल स्किल है तो आप अपनी जिंदगी को और बेहतर बना सकते हैं। इससे आप अपना और अपने परिवार का गुजारा सही ढंग से कर सकते हैं। संस्था इंचार्ज संदीप यादव मांदी ने बताया कि हमारे संस्थान के सभी अनुदेशक व सभी अनुदेशिकाएं बहुत ज्यादा प्रशिक्षण देती है।

आईटीआई में दीक्षांत समारोह आयोजित

विद्यार्थियों का पुरस्कार से किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज नारनौल।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सुजापुर में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्यातिथि जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार, विशिष्ट अतिथि डॉ. भास्कर दास व अतिथि राष्ट्रीय खिलाड़ी डॉ. सिमरन चौहान व देवेंद्र जांगड़ा के स्वागत के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अनुदेशक शिवचरण चौहान ने की। मंच का संचालन नितेश कुमार व संजीव ने किया। डॉ. राकेश कुमार ने कहा युवाओं को केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें राजनीति जैसे जनसेवा के क्षेत्रों में भी सक्रिय रूप से भागीदारी करनी चाहिए। जब युवा अपने विचार व ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाते हैं, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। डॉ. भास्कर दास ने कहा कि भारत विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है, इसमें सर्वाधिक युवा शक्ति हैं। डॉ. सिमरन चौहान ने कहा कि युवाओं को शिक्षा व संस्कारों का समन्वय करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। देवेंद्र जांगड़ा ने नई शिक्षा नीति पर विस्तार से चर्चा की। वरिष्ठ अनुदेशक सुमन देवी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए संबोधित किया। समारोह में विभिन्न ट्रेड्स के मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर इंजीनियर अनिकेत, मास्टर अरुण कुमार, नागरमल, संजीव कुमार, नितेश कुमार, हेमंत कुमार, चंद्रप्रकाश, अभिषेक, दीपक, राजेश, अमित, कपिल, हवासिंह, अतरसिंह व योगेश रहे।

हैप्पी स्कूल के दो छात्रों ने एनडीए में पाई सफलता

महेंद्रगढ़। हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने एनडीए परीक्षा में शानदार सफलता अर्जित की है। छात्र आशीष व ध्रुव ने अपनी मेहनत, अनुशासन व समर्पण के बल पर तीसरी बार यह गौरव हासिल किया है। उनका चयन न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे विद्यालय व क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल तथा प्रधानाचार्य डॉ. जेएस कुंतल सहित विद्यालय प्रबंधन समिति एवं संपूर्ण स्टाफ ने दोनों छात्रों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सोनम वांगचुक के समर्थन में निकाला कैंडल मार्च

शहर के जागरूक, समाजसेवी और क्रांतिकारी नागरिक हुए एकजुट

- हाथ में तिरंगा और जलती हुई मोमबत्तियां लेकर नारे लगाकर अपना रोष प्रकट किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। शहर के महावीर चौक पर कैंडल मार्च निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

लद्दाख के अधिकारों के लिए संघर्षरत सोनम वांगचुक के समर्थन में शहर के जागरूक, समाजसेवी और क्रांतिकारी नागरिकों ने बीती देर शाम को कैंडल मार्च निकाला, जो पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस से चलकर महावीर चौक पर जाकर समाप्त हुआ। हाथ में तिरंगा और जलती हुई मोमबत्तियां लेकर नारे लगाकर अपना रोष प्रकट किया। महावीर चौक पर कांग्रेस नेत्री राजसुनेश ने कहा कि सोनम वांगचुक जैसे देशभक्त को अकारण जेल में डाल देना भाजपा की तानाशाही का प्रतीक है। बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान एडवोकेट मंजीत सिंह मांदी ने कहा कि यदि सरकार सोनम वांगचुक को सरकार ने रिहा नहीं किया तो यह आंदोलन भविष्य में बड़ा रूप भी लेगा। अधिवक्ता अभिजीत ने कहा कि सोनम वांगचुक जैसे देशप्रेमी, समाजसेवी को आतंकवादियों की श्रेणी में खड़ा कर देना कानूनी रूप से भी तानाशाही के दर्शन करवा रहा है। कार्यक्रम संयोजक एवं प्रखर क्रांतिकारी गिरीश खेड़ा ने कहा कि मोदी सरकार की तानाशाही चरम सीमा पर पहुंच गई है। सोनम वांगचुक जिन्होंने अपनी उन मांगों को मनवाने के लिए पिछले पांच सालों में लगभग 100 सौ दिन का अनशन किया है। लद्दाख से दिल्ली तक की 1000 किलोमीटर के पदयात्रा की, ताकि प्रधानमंत्री को ज्ञापन दें। उनके इन सभी आंदोलन को मीडिया में नहीं आने दिया और न ही उनकी मांगें मानी गई। उनका हर विरोध प्रदर्शन शांति प्रिया रहा । जिसमें सबसे पहले दाखिला उन बच्चों को दिया जाता है, जो कक्षा में फेल होते हैं और उनका जीवन सुधारते हैं, लेकिन लगता है कि मोदी सरकार ने अघोषित आपकाल लगाया हुआ है।

ये रहे मौजूद

इस प्रदर्शन में वीरभान श्योराण, प्रेम यादव, विवेक भटनागर, आत्माराम, उत्तम यादव, अजीत गोद, रिंकू सैनी, संजय सैनी, सोमबीर, राजेश यादव, अधिवक्ता अभिजीत, सुभाष सैनी, भोजेंद्र, भगवान सिंह, विजय यादव, छाजूराम, नन्द लाल सैनी व बिजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

मेडिकल स्टोर की वर्षगांठ पर रक्तदान

छोटी काशी जनसेवा संगठन व युवा साथी का रहा योगदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। कमानियां में रक्तदान करते युवक।

गांव कमानिया में मेडिकल स्टोर की स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन में छोटी काशी जनसेवा संगठन एवं युवा साथी निडी हेल्प ग्रुप का विशेष सहयोग रहा। शिविर में डॉ. हेमंत के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही, जिन्होंने रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जांच कर रक्तदान प्रक्रिया संपन्न कराई। कार्यक्रम में पहुंचे रक्तदाताओं को नांगल चौधरी के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर भगत सिंह ने बैज लगाकर सम्मानित किया। शिविर में लगभग 40 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

आयोजनकर्ता मुलायम सिंह यादव ने बताया कि उनके पिता सेना से सेवानिवृत्त हैं और देशसेवा की भावना से प्रेरित होकर उन्होंने अपने मेडिकल स्टोर की वर्षगांठ पर रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया, ताकि समाज में मानवता और सेवा का संदेश प्रसारित हो सके। इस मौके पर पूर्व सरपंच राम अवतार, पूर्व सरपंच निहाल सिंह एडवोकेट, रामकुमार यादव, वेदप्रकाश डेलिगेट, पवन सेन, बालकिशन जांगड़ा, अमन कुमार मुकुंदपुरिया, पप्पू सेठ एवं हवलदार सत्यनारायण यादव आदि मौजूद रहे।

नारनौल। विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विद्या देवी इंटरनेशनल स्कूल में हुई क्विज प्रतियोगिता

नारनौल। विद्या देवी इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के बीच आयोजित क्विज प्रतियोगिता में ज्ञान और उत्साह का शानदार संगम देखने को मिला। छात्रों ने अपनी तीव्र सोच, बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास से सभी का मन जीत लिया। बोस हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि महाराणा प्रताप हाउस ने द्वितीय स्थान हासिल किया। विजेता छात्रों को विद्यालय के निदेशक विक्रांत यादव एवं प्रिंसिपल राजकुमार यादव द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रिंसिपल ने बताया कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में ज्ञान, नेतृत्व और प्रतिस्पर्धा की भावना को और सशक्त बनाने में सफल रही। विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

पुलिस टीम ने प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को नशे के प्रति किया जागरूक

- नशे से शरीर ही नहीं आज के समय में परिवार हो रहे बर्बाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। युवाओं को जागरूक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पुलिस विभाग ने सामुदायिक पुलिसिंग की दिशा में के गांव चिंडालिया में युवाओं के लिए वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य खेल के माध्यम से युवाओं को नशा व अपराध से दूर रहने के लिए जागरूक करना था। कार्यक्रम में सदर थाना की पुलिस टीम ने युवाओं से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने युवाओं को नशे के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक व सामाजिक नुकसानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्तिगत जीवन को तबाह करता है, बल्कि यह अपराध की ओर धकेलने वाला एक बड़ा कारक भी है। पुलिस ने युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों जैसे खेलकूद व शिक्षा में अपनी ऊर्जा लगाने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने कहा कि स्वस्थ शरीर और मन ही एक सशक्त समाज की नींव होते हैं और वॉलीबॉल जैसे खेल टीमवर्क, अनुशासन और लक्ष्य-निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों को बढ़ावा देते हैं। इस आयोजन में बाबा सीता नाथ ग्रुप के युवा सदस्यों की उपस्थिति भी दर्ज की गई।

साइबर थाना की टीम ने रामलीला के मंच से दिया सुरक्षा का संदेश

नारनौल । साइबर थाना की टीम ने मोहल्ला चांदुवाड़ा स्थित रामलीला कार्यक्रम के दौरान साइबर जागरूकता अभियान चलाया। इसका उद्देश्य साइबर अपराधों के प्रति आम जनता को सचेत करना और उन्हें साइबर सुरक्षा के प्रभावी उपाय बताना था। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र सहित एसआई सुधीर व अन्य पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे। साइबर थाना की टीम ने विस्तार से विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों की जानकारी दी। टीम ने फिशिंग, टेलीग्राम टास्क फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट और सेक्शटॉर्शन इत्यादि साइबर अपराधों, जॉब स्कैम और सोशल मीडिया हैकिंग जैसे साइबर अपराधों की जानकारी देकर जागरूक किया। इस दौरान टीम ने नागरिकों को साइबर ठगी से बचने के लिए कई महत्वपूर्ण और सरल सुरक्षा युक्तियां भी प्रदान की। उन्होंने बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति या कॉलर के साथ अपनी निजी, बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें, अज्ञात स्रोतों से आए संदिग्ध लिंक्स पर क्लिक करने या एप्लीकेशन डाउनलोड करने से बचें, अपने बैंक खाते की जानकारी को हमेशा गोपनीय रखें। किसी भी प्रकार की वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

अपने मुख्यमंत्री काल में उन्होंने 143 करोड़ रुपये की लागत से नहर की मरम्मत का कार्य करवाया

इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार आदि पर विचार-विमर्श किया

प्रो. रामबिलास केंद्रीय मंत्री से मिले कई मुद्दों पर की विस्तार से चर्चा

- रज्य में योग्यता आधारित पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और जनकल्याणकारी योजनाओं को नई दिशा दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात करते पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने शनिवार को केंद्रीय शहरी विकास एवं बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर से उनके दिल्ली आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच भाजपा संगठनात्मक गतिविधियों और प्रदेश के विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रो. शर्मा ने केंद्रीय मंत्री को महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान आरंभ की गई योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने जिले में इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं पर विचार-विमर्श किया और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप इन कार्यों को शीघ्र पूरा कराने का अनुरोध किया।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने महेंद्रगढ़ में चल रहे विकास कार्यों की ली जानकारी, दिए जरूरी निर्देश

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने महेंद्रगढ़ में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी लेकर कहा कि क्षेत्र के हित में उठाए गए प्रत्येक मुद्दे पर सकारात्मक और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश देने का आश्वासन दिया, ताकि परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जा सकें। प्रो. शर्मा ने कहा कि जब मनोहर लाल हरियाणा के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने 143 करोड़ रुपये की लागत से नहर की मरम्मत का कार्य करवाया था, जिससे दक्षिणी हरियाणा की भूमि को सिंचाई जल की उपलब्धता बढ़ी, भूजल स्तर में सुधार हुआ और किसानों को अत्यधिक लाभ मिला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल को हरियाणा के सर्वांगीण विकास का स्वर्ण अध्याय कहा जा सकता है। उनकी नीतियों ने राज्य में योग्यता आधारित पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और जनकल्याणकारी योजनाओं को नई दिशा दी। अब उन्हीं नीतियों को आगे बढ़ाने का कार्य मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पूरी निष्ठा से कर रहे हैं।

ममता शर्मा ने जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में कार्यभार किया ग्रहण

नारनौल। कार्यभार ग्रहण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

एडवोकेट कुमुदिनी श्रीवास्तव धर्मपत्नी डॉ. नरेंद्र श्रीवास्तव मोहल्ला राव ने पुनः जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में मेंबर (सदस्य) कार्यभार ग्रहण किया है। इसके अतिरिक्त ममता शर्मा धर्मपत्नी संतोष कुमार मोहल्ला शास्त्री नगर ने भी जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड नारनौल की बतौर मेंबर (सदस्य) कार्यभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि कुमुदिनी श्रीवास्तव इससे पहले 13 साल बतौर कंज्यूमर फॉर्म और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड व सीडब्ल्यूसी की भी सदस्य रह चुकी है। उन्होंने अपने कार्यकाल में क्षेत्र के कमजोर व गरीब लोगों से हमेशा न्याय किया।

वार्षिक उत्सव पर हवन व भंडारा आज

कनीना। उत्तमेश्वर धाम गुसाईं आश्रम में 5 अक्टूबर रविवार को वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जाएगा। स्वामी पवन गिरी महाराज व स्वामी लक्ष्मण गिरि महाराज ने बताया कि दादा दरबार नायन में आयोजित इस समारोह में सत्संग प्रवचन एवं भंडारे का भी आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि संत शिरोमणी दादा गुरु उत्तम गिरी महाराज एवं योगीराज रामनाथ गिरी की स्मृति में आयोजित इस समारोह में दूर-दराज से आए श्रधालु हिस्सा लेगें। रविवार को सुबह सवा सात बजे हवन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें साधु संत तथा समाज के प्रबुद्धजन विश्व शांति के लिए आहुति डालेगें। इसके बाद सवा दस बजे सत्संग प्रवचन कार्यक्रम शुरू होगा। सवा 11 बजे भंडारा प्रारंभ होगा।

खबर संक्षेप

कालर वाले जोहड़ का पुनः छंटाई कार्य शुरू

कनीना। बारिश के बाद कालर वाले जोहड की छंटाई का कार्य दोबारा से शुरू किया गया है। इसकी छंटाई का कार्य जून-जुलाई माह में शुरू किया गया था, लेकिन मानसून की बारिश के चलते बीच में ही रोकना पड़ा था। बारिश में जोहड के ओवरफ्लो होने के कारण जलभराव की समस्या बन गई थी। नगरपालिका की चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढा ने बताया कि बारिश के पानी सहित अनेक चुनौतियों का सामना करने के बाद जोहड में पंपसेट लगाकर पानी निकाला गया है। अब उसकी मिट्टी छंटाई का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पानी निकासी के स्थाई समाधान के लिए एसटीपी की लाईन को दुरूस्त किया जाएगा। वहीं इस पानी को बणी में पहुंचाने के लिए नई पाइप लाइन इस्तेमाल की जाएगी। उन्होंने शहर का भ्रमण कर साफ-सफाई एवं सीवरेज व्यवस्था का जायजा भी लिया। नपा सचिव कपिल कुमार ने बताया कि सभी पार्षद एकजुट होकर शहर के विकास पर फोकस कर रहे हैं।

लड़की के जन्म पर कुआं पूजन आयोजित

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव ढाणी भोड़ी में बेटी के जन्म पर परिवार ने समाज के लिए एक सराहनीय संदेश दिया। रवीना देवी पत्नी नितिन के घर कन्या जन्म के उपरांत परिवार ने लड़के की तरह ही बड़े उत्साह के साथ कुआं पूजन कार्यक्रम आयोजित किया। इस मौके पर परिजनों ने ग्रामीणों को भोज कराया और बेटी के जन्म को उत्सव की तरह मनाया। रवीना देवी की शादी एक वर्ष पूर्व हुई थी। लड़की के दादा मदनलाल स्वामी जो हरियाणा रोडवेज में ड्राइवर हैं। इस मौके पर दादी निर्मला देवी ने बताया कि उनके परिवार में बेटा-बेटी में कोई भेदभाव नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि समाज में बेटियों को समान सम्मान देने की यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी। घर में कन्या के जन्म से खुशियों का माहौल बना हुआ है।

साइबर जागरूकता और पौधरोपण अभियान चलाया

मंडी अटेली। जीआरपी चौकी नारनौल की ओर से शनिवार को अटेली रेलवे स्टेशन परिसर में साइबर जागरूकता एवं पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व जीआरपी चौकी इंचार्ज कैलाश चंद शर्मा ने किया। अभियान के दौरान यात्रियों को साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए गए और उन्हें ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने की अपील की गई। अधिकारी ने यात्रियों को जागरूक करते हुए कहा कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें, किसी के साथ अपने बैंक खातों की गोपनीय जानकारी साझा न करें और संदेहास्पद कॉल आने पर तुरंत पुलिस या संबंधित विभाग को सूचित करें। इसके अलावा रेलवे स्टेशन पर पौधरोपण भी किया गया। यात्रियों और कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के अभियानों का उद्देश्य जनता को जागरूक करना और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना है।

श्रीराम के राजतिलक के साथ हुआ रामलीला का समापन

कलाकारों ने रामलीला के पात्रों का रोल निभा लोगों को राम की लीला के साथ जोड़ा

■ 19 सितम्बर से तीन अक्टूबर तक किया गया रामलीला का मंचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

स्थानीय अनाज मंडी स्थित श्री कृष्णा ड्रॉमेटिक क्लब के मंच पर भगवान नारायण सेवा संस्था की ओर से चल रही 15वीं रामलीला में भगवान श्रीराम के राजतिलक की लीला का मंचन के साथ समापन हुआ। कमेटी के उपप्रधान प्रेम चंद गुलाटी ने बताया कि रामलीला का शुभारंभ अनूप भाटा व मोनू भाटा द्वारा गणेश पूजन के साथ रामलीला का प्रारंभ हुआ। मंच संचालन भारत भूषण तायल ने किया। प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन ने बताया कि 19 सितम्बर से तीन अक्टूबर तक रामलीला का मंचन किया गया, जिसमें कलाकारों ने दिन रात मेहनत करके रामलीला के पात्रों का रोल निभा लोगों को राम की लीला के साथ जोड़ा। सचिव मनोज निर्मल ने कहा कि मेकअप इंचार्ज दीपक सैन ने अपने हाथों से सभी पात्रों को साक्षात रूप दिया। रामलीला के डायरेक्टर संजय वर्मा व संजय दुलगच ने सभी कलाकारों को रामलीला मंचन सिखाया। अंत में मेहमानों व मंचन में सहयोग करने वाले लोगों को सभा द्वारा सम्मानित किया गया। इसके बाद भगवान श्रीराम की आरती उतारी गई, जिसमें रामलीला प्रांगण में मौजूद सभी श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके उपरांत जय श्रीराम के जयघोष के साथ रामलीला का समापन किया। रामायण में राम का किरदार अरविंद गर्ग, सीता का विवेक शर्मा, लक्षण का मनोज निर्मल, हनुमान का हार्दिक बंसल (हनी), भरत का कनिष्क कोहली, शत्रुघ्न का दीपक कोहली, वशिष्ठ मुनि का राकेश यादव ने सुंदर अभिनय किया।

नारनौल। रामलीला का मंचन करते कलाकार। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रामलीला के प्रधान रवि गर्ग, दयानंद सैनी, विजय जैन, जगदीश बिल्ला, कन्हैया लाल निर्मल, शंकर लाल, बिशन सैनी, मनोज निर्मल, देवकी सैनी, नरेश तायल, संजय वर्मा, दया डुलगच, सोनू शर्मा, अरविंद सैनी, जोगेंद्र शर्मा, ध्रुव वर्मा, गौरव गोयलर, होशियार, अरविंद सैनी, रुद्र चौधरी, वासुदेव सिंघल, प्रथम, दिनेश सैनी, दीपक कोहली, चिराग बिल्ला, सुशील शास्त्री, योगेश कौशिक, महावीर, विकास कटारिया, विकास बडेसरा, वेदप्रकाश सैनी, अभिषेक सोनी, प्रीति अग्रवाल, रमेश शर्मा, विजय जैन, युवी अग्रवाल, धर्मवीर, रामकिशोर अग्रवाल, भारत भूषण तायल, हिमांशु निर्मल, अनु बिल्ला, प्रियांशु बिल्ला, कृतिका निर्मल, कर्तव्य निर्मल, मनोज तायल, संजय प्रजापति, शुभम सोनी, विष्णु डेनवाल, सतीश बेदी, मुकेश आनंद, देवकी सैनी, जतिन, तरुण, गोपाल जैन, होशियार सिंह, देवीलाल, निहाल सराफ, सत्यनारायण, मुकुंद तायल, दया डूलगच आदि मौजूद रहे।

भगवान राम का हुआ राजतिलक

नारनौल। श्री धार्मिक रामलीला ट्रस्ट चांदुवाडा द्वारा आयोजित 75वीं हीरक जयंती रामलीला महोत्सव का समापन शुक्रवार रात्रि भगवान राम के राजतिलक के साथ किया गया। रामलीला मैदान में भारी संख्या में मौजूद दर्शकों के बीच भगवान राम का सुंदर दरबार सजाया गया। जहां महर्षि वशिष्ठ के करकमलों द्वारा पूर्ण विधि-विधानपूर्वक पूजा अर्चना करने के उपरांत भगवान राम का राजतिलक हुआ तथा प्रभु राम ने माता सीता के साथ सिंहासन पर बैठकर अयोध्या नगरी का राज संभाला। राजतिलक के दौरान दीपक हरित ने राम, राजेश सोनी ने सीता, अनिल चौहान ने लक्ष्मण, भवानी वर्मा ने भरत, रुद्र हरित ने शत्रुघ्न व तरुण सोनी ने हनुमान के किरदार को जीवंत किया।

रामलीला समापन पर अतिथियों को किया सम्मानित

नारनौल। श्री सनातन धर्म सभा द्वारा रामलीला के समापन पर नई अनाज मंडी में आयोजित एक भव्य एवं विशाल कार्यक्रम में विधायक ओमप्रकाश यादव, नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी, जिला व्यापार मंडल के अध्यक्ष वैद्य किशन वशिष्ठ, वरिष्ठ महामंत्री सुरेंद्र चौधरी, जिला भाजपा अध्यक्ष यतेंद्र राव सहित काफी गणमान्य जनों एवं विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों को अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग एवं सनातन धर्म सभा के प्रधान धर्मचंद छाबड़ा द्वारा शॉल भेंटकर, माला पहनाकर व भगवान राम का सुंदर चित्र भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सनातन धर्म सभा के पदाधिकारी, भगवान सूर्य नारायण मंदिर के प्रबंधक सीएस शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार महेश गुप्ता, सरदार बलदेव सिंह चहल, सरदार गुरमेल सिंह, रोहतास अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल, बद्री प्रसाद आदि मौजूद थे।

मंडी अटेली। ट्रेन का ठहराव होने पर खुशी मनाते हुए। फोटो: हरिभूमि

कल से अटेली रूकेगी टनकपुर एक्सप्रेस ट्रेन

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का जताया आभार

■ लंबी दूरी तय करने वाले यात्रियों को मिलेगा सीधा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के लोगों ने टनकपुर दौराई एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव होने पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का आभार जताया है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने गत सात अगस्त को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक पत्र लिखा था, जिसमें बताया कि 15091/15092 टनकपुर दौराई एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव अटेली रेलवे स्टेशन करें, जिससे अटेली क्षेत्र के लोगों को सीधा इसका लाभ मिलेगा। अब इस ट्रेन का ठहराव कल छह अक्टूबर से शुरू हो जाएगा।

इस मौके पर भाजपा नेता विक्रम सरपंच रामपुरा व दिनेश जेलदार ने बताया कि इस ट्रेन टनकपुर से बरेली होते हुए दिल्ली पहुंचती है। उसके बाद यह ट्रेन रेवाड़ी होते हुए अटेली के रास्ते फुलेरा के रास्ते दौराई पहुंचती है। इस ट्रेन से लंबी दूरी तय करने वाले यात्रियों को सीधा इसका लाभ मिलेगा। इस ठहराव से न केवल आम यात्रियों की यात्रा सुगम होगी, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में भी नए अवसर खुलेंगे। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए यह सुविधा विकास की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर आपस में लड्डू भी खिलाई गए। जिसमें स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के पीए विकास यादव, गोविंद गोस्वामी, विकास चेयरमैन,अटेली मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार गनियार, एडवोकेट बबली यादव, पूर्व सरपंच सतबीर सुजापुर, समाजसेवी तेज प्रकाश, ईश्वर ठेकेदार, अजीत तिगरा, इंद्रजीत यादव, कर्मवीर खींची आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खेलों में गूंज रहा सिंघानिया विश्वविद्यालय का नाम

नेशनल चैम्पियनशिप के पहले मैच में छत्तीसगढ़ को हराकर शानदार जीत दर्ज की

■ विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सिंघानिया विश्वविद्यालय लगातार खेलों में उत्कृष्टता का प्रतीक बनता जा रहा है। गौरतलब है कि गत 29 सितम्बर को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 69वीं राजस्थान राज्य स्तरीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साइकिल प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी नीलिमा यादव द्वारा किया गया।

यह आयोजन विद्यालय स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम साबित हुआ। इसके बाद तीन अक्टूबर को विश्वविद्यालय प्रबंधन के सहयोग से प्रायोजित राजस्थान पैरा रग्बी राज्य टीम ने ग्वालियर में आयोजित नेशनल चैम्पियनशिप के अपने पहले मैच में छत्तीसगढ़ को हराकर शानदार जीत दर्ज की। उसी दिन खेलों का रोमांच और बढ़ा जब सिंघानिया विश्वविद्यालय के खेल विभाग के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम ने अंतर विश्वविद्यालय कबड्डी चैम्पियनशिप में अजमेर विश्वविद्यालय को पराजित कर शानदार प्रदर्शन किया। सिंघानिया विश्वविद्यालय अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करता रहा है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि साइक्लिंग, रग्बी और कबड्डी जैसे विविध खेलों में खिलाड़ी विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामना दी। विवि निरंतर खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है।

नारनौल। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस कॉलेज में हुई फ्रेशर्स पार्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस डिग्री कॉलेज में मानविकी विभाग के नए छात्रों के स्वागत में एक फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। इस समारोह को प्रारम्भ-2025 नाम दिया गया, जो नए शैक्षणिक सफर के शुभ और उत्साहपूर्ण आरंभ का प्रतीक है। कॉलेज के ऑडिटोरियम को नीले और सफेद गुब्बारों तथा आकर्षक सजावट से सजाया गया था।

संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व सीईओ मनीष राव, निदेशक डॉ. महेश यादव, कुलसचिव डॉ. देवेंद्र यादव एवं अधिष्ठाता प्रो. के सर्जन राव एवं डॉ. हेमंत कुमार इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने नए छात्रों का औपचारिक स्वागत किया और उन्हें कॉलेज की दुनिया में कदम रखने पर बधाई दी और साथ ही कहा कि हमें यहां से नौकरी करने वाला बन के नहीं निकलना है, बल्कि नौकरी देने वाला बनना है, अपना उदाहरण देते हुए छात्रों में आत्मविश्वास दिलाया कि मैं कर सकती हूं तो आप सब कर सकते हैं।

प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह कादयान ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों के बीच आपसी मेलजोल और सौहार्द बढ़ता है तथा उन्हें मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इस कार्यक्रम में मिस्टर फ्रेशर रहे ललित एवं मिस फ्रेशर का खिताब रहा आरजू के नाम। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्कूल स्टॉफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

अमन व रचित ने एनडीए में पाई सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

यूपीएससी द्वारा घोषित एनडीए की लिखित परीक्षा में एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन दिखाया। स्कूल चेयरमैन सीयाराम यादव ने बताया कि एनडीए की लिखित परीक्षा 14 सितंबर को संघ लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित की गई थी। एनडीए की लिखित परीक्षा अमन पुत्र करण सिंह व रचित पुत्र अनिल कुमार ने परीक्षा उत्तीर्ण की। प्राचार्या अनीता यादव ने एनडीए में क्वालीफाइ करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

यदुवंशी की चार छात्राओं ने टॉप10 सूची में बनाई जगह

■ बीए द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी की ओर से बीए द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज की छात्रा हर्षिता पुत्री जयप्रकाश ने पूरे विश्वविद्यालय की टॉप–10 सूची में 9.83 एसजीपीए लेकर प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं महक ने 9.67 एसजीपीए लेकर तीसरा, नेहा ने 9.63 एसजीपीए लेकर छठा स्थान हासिल किया। वहीं दीक्षा ने 9.63 एसजीपीए लेकर सातवें स्थान पर कब्जा किया। इन विद्यार्थियों ने यह मुकाम हासिल करके अपना व अपने माता-पिता के साथ-साथ यदुवंशी कॉलेज व क्षेत्र का नाम भी रोशन किया। संस्था अध्यक्ष व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने इनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हम सब के लिए गर्व का क्षण है। हमें गर्व है कि हमारे कॉलेज के विद्यार्थी लगातार विश्वविद्यालय की टॉप–10 सूची में स्थान बना रहे हैं। संस्था वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र यादव, ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव, डॉ. प्रदीप यादव व प्राचार्य बबरूभान ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

महेंद्रगढ़। यदुवंशी कॉलेज की छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में मौजूद विधायक व समाज के लोग। फोटो: हरिभूमि

माता शीतला मंदिर में जागरण व भंडारा आयोजित

महेंद्रगढ़। मोहल्ला बास में स्थित माता शीतला मंदिर में नवगठित माता शीतला प्रजापति युवा मोर्चा की समस्त कार्यकारिणी व समस्त मौहल्लावासियों की तरफ से माता शीतला का जागरण व भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे कार्यक्रम में विधायक कंवर सिंह यादव ने समस्त कार्यकारिणी के साथ प्रसाद ग्रहण किया। विधायक कवर सिंह ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समाज में एकता, सहयोग और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। जब हम सब एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं तो यह समानता और भाईचारे का प्रतीक होता है। समाज के हर वर्ग को इस तरह के आयोजन में हिस्सा लेना चाहिए। माता शीतला का आशीर्वाद हम सब पर बना रहे। इस मौके पर प्रधान डॉ. सोनू, उपप्रधान सतीश कुमार, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण, सचिव सुधीर, 84 प्रधान इंद्र सिंह, सहसचिव विजय प्रजापति, मुकेश प्रजापति, उदयभान, संदीप व प्रधान इंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

सुभाष बने जिला प्रधान तो चेयरमैन विनोद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन (रजिस्टर्ड) नंबर 681 (संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ) के जिला कमेटी के सेवानिवृत्ति उपरांत खाली हुए दो पद (जिला चेयरमैन व जिला प्रधान) के पदों का चुनाव करवाने को यूनियन की मीटिंग जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मण्डल नंबर एक नारनौल के यूनियन कार्यालय में संपन्न हुई, जिसमें चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में राज्य प्रधान नरेंद्र धीमान, राज्य महासचिव अमरीक सिंह चड्ढा व राज्य मुख्य संगठनकर्ता रविंद्र फौजी ने शिरकत की। मंच संचालन ब्रांच प्रधान पब्लिक हेल्थ दीपक शांडिल्य ने किया।

इस मौके पर मौजूद ब्रांचों के प्रधानों ने अपनी–अपनी ब्रांच से संबंधित कर्मचारियों की समस्याओं को राज्य प्रधान व उनकी कार्यकारिणी के समक्ष रखा। नारनौल ब्रांच के प्रधान ने अवगत कराया कि एचकेआरएन कर्मचारी की जॉब सुरक्षा, एलटीसी, कर्मचारियों का बकाया वेतन का भुगतान करना, सेफ्टी किट, रेनकोट, जूते, डांगरी आदि की पेमेंट करवाने इत्यादि बहुत सी मांगों के बारे में अवगत कराया गया। जिला कमेटी के दोनों रिक्त पदों का चुनाव बड़े ही सौहार्दपूर्ण माहौल में सर्वसम्मति से हुआ। चुने गए पदाधिकारियों में जिला प्रधान सुभाष यादव पब्लिक हेल्थ नारनौल, जिला चेयरमैन विनोद यादव पब्लिक हेल्थ महेंद्रगढ़ शामिल हैं।

नारनौल। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं अतिथियों का सम्मान करते हुए। फोटो: हरिभूमि

कनीना। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

आरआरसीएम स्कूल के विद्यार्थियों ने पाई सफलता

कनीना। आरआरसीएम पब्लिक स्कूल के अनेक विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि को हासिल करने में विद्यार्थी चिराग, ज्योति, दीपांशु, शिवा, तन्नु, राधिका, मनीषा, हिमांशी, भावना, हिमांशु, भूषण सहित इन सभी विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ निश्चय के बल पर यह सफलता हासिल की है। विद्यालय चेयरमैन रोशन लाल यादव ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आरआरसीएम पब्लिक स्कूल का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में देशभक्ति, नेतृत्व और अनुशासन की भावना का विकास करना भी है। प्राचार्य हरिप्रकाश शर्मा ने कहा कि इन बच्चों ने अपनी लगन वे मेहनत से यह उपलब्धि हासिल की है, जो आने वाले समय में अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी।

हितेश ने एनडीए की परीक्षा उत्तीर्ण की

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के छात्र हितेश पुत्र शेर सिंह ने एनडीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव व वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने हितेश का फूलमाला पहनाकर सम्मान किया। प्राचार्य विनोद कुमार ने बताया कि विद्यालय के छात्रों का पहले भी एनडीए, नवोदय व सैनिक स्कूल आदि चयन होता रहा है। विद्यालय द्वारा सैनिक स्कूल, मिलिट्री स्कूल व नवोदय विद्यालय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों की अलग से निःशुल्क कक्षाएं लगाई जाती है। जिसके परिणामस्वरूप बच्चों का चयन होता है। चेयरमैन राजकुमार यादव, वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव व प्राचार्य विनोद कुमार ने इस परिणाम के लिए छात्रों व अध्यापकों के कठिन परिश्रम की सराहना करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर संस्था प्रबंधक डॉ. रविन्द्रा यादव, उपप्राचार्य सपना मल्होत्रा, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। छात्र को सम्मानित करते स्कूल स्टॉफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

सार्वजनिक सूचना

मैं, संदीप कुमार पुत्र धर्मपाल निवासी गांव खातोदडा, तहसील एवं जिला महेंद्रगढ़ घोषणा करता हूं कि मेरी बेटी रितिका के स्कूल रिकॉर्ड में मेरा और मेरी पत्नी का नाम गलती से संदीप और अमन के रूप में दर्ज है, जबकि वास्तविक नाम संदीप कुमार और अमन देवी हैं, जिन्हें नियमानुसार संशोधित किया जाए।

बाजारों में सोलह श्रृंगार से लेकर सजावटी थालियों की मांग बढ़ी

करवाचौथ व्रत को लेकर बाजार में भीड़ उमड़ने की उम्मीद दुकानदारों ने त्योहार पर नए-नए ऑफर व स्कीम निकाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

त्योहारी सीजन में बाजारों की रौनक दोगुनी हो जाती है। नवरात्र के समापन के बाद करवाचौथ का त्योहार आ रहा है, जिसके चलते शहर के बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है।

■ शहर में मेहंदी लगाने वाली दुकानों पर जुड़ने लगी भीड़

करवाचौथ के चलते बाजारों में सोलह श्रृंगार से लेकर सजावटी थालियों की मांग बढ़ गई है। इस समय सबसे ज्यादा रौनक महिलाओं से जुड़ी दुकानों पर दिखाई दे रही है। बाजारों में चुनरी, चूड़ियां, सोलह श्रृंगार, सजावटी थालियां, करवे और सजावटी सामान खूब बिक रहा है। दुकानदार भी त्योहार को देखते हुए नए-नए ऑफर और स्कीमें निकाल रहे हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा ग्राहक आकर्षित हो सकें। वहीं शहर में मेहंदी लगाने वाली दुकानों पर भीड़ जुड़ने लगी है।

एडवांस हो रही है बुकिंग

त्योहारों की चहल-पहल का असर ब्यूटी पार्लरों पर सबसे ज्यादा दिखाई देगा। करवाचौथ के मौके पर महिलाएं खासतौर पर पार्लरों में सजने-संवरने पहुंचेगी। पार्लरों में हेयर स्टाइलिंग, फेशियल, मेकअप और नेल आर्ट के लिए बुकिंग पहले से ही की जा चुकी है। कई पार्लरों के बाहर महिलाओं की भीड़ जुटनी शुरू हो रहीं है। शहर के हिमानी ब्यूटीपार्लर की संचालिका हिमानी शर्मा का कहना है कि करवाचौथ और दीवाली जैसे त्योहार उनके लिए सबसे व्यस्त समय होता है। इस दौरान बुकिंग इतनी ज्यादा हो जाती है कि कई बार तो अतिरिक्त स्टाफ की भी जरूरत पड़ जाती है।

क्या कहती है संचालिका

हिमानी मेकओवर की संचालिका हिमानी शर्मा ने बताया कि करवा चौथ व्रत को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखने को मिलता है। महिला कई दिन पहले से एडवांस बुकिंग दे रहीं है। करवा चौथ महिलाओं के लिए स्पेशल होता है, इसलिए पैसे के बारे में ज्यादा नहीं सोचा जाता। महिलाओं पर बोझ ना पड़े, इसके लिए फेस पैक आदि में बढ़ोतरी नहीं की गई है। हाइड्रो फेशियल को लेकर महिलाओं में विशेष क्रेज होगा। करवाचौथ व्रत को लेकर महिलाओं को मेकअप के लिए 50 प्रतिशत डिस्काउंट दिया जाएगा।

पति की दीर्घायु के लिए करती हैं व्रत

रितू भोल्यान, निशा, डॉ. अनूभूति, डॉ. अन्नू, डॉ. पवित्रा राव, पिंकी, बबिता, कविता, मंजू देवी ने कहा कि करवाचौथ सिर्फ व्रत का ही पर्व नहीं, बल्कि पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत करने का अवसर भी है। इसलिए वे श्रृंगार और पूजा सामग्री की खरीद में कोई कमी नहीं छोड़तीं। यही कारण है कि बाजारों में भीड़ सामान्य दिनों से दोगुनी हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने पति की दीर्घायु के लिए हर साल करवा चौथ का व्रत करती हैं। हर साल वह व्रत के लिए कपड़े और श्रृंगार का सामान खरीद करती हैं। उसकी परिवार की महिलाएं भी व्रत रखकर विधिवत पूजन भी करती हैं।

कपड़ों की दुकानों पर भीड़ ज्यादा

दुकानदारों का कहना है कि पिछले साल की तुलना में इस बार बिक्री में काफी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। त्योहारों के चलते कपड़ों की दुकानों पर खास भीड़ होगी। इसलिए उन्होंने साड़ियां, लहंगे, सूट और आधुनिक डिजाइनर ड्रेसेज की खरीदारी में महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगी। वहीं ऑनलाइन खरीदारी के बावजूद ऑफलाइन बाजारों का आकर्षण कम नहीं हुआ है। आने वाले दिनों में यह भीड़ और ज्यादा बढ़ेगी क्योंकि करवाचौथ के बाद दीपावली भी आने वाली है।

खबर संक्षेप

गढ़ी गांव में आज होगी आंखों की जांच

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव गढ़ी में पांच अक्टूबर को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि जजपा नेता अटेली हल्का प्रधान बेदू राता रहेंगे। यह शिविर जीतराम धर्मशाला गढ़ी में सुबह साढ़े नौ बजे से दोपहर दो बजे तक लगाया जाएगा, जिसमें आंखों की रोशनी की जांच, मोतियाबिंद, आंखों के पर्दे के अलावा मुफ्त में चश्मे एवं दवाइयां दी जाएगी। शिविर में मोतियाबिंद का मुफ्त ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाएगा।

इकबालपुर नंगली में नेत्र स्वास्थ्य शिविर आज

नारनौल। जनकल्याण मंच इकबालपुर नंगली में पांचवां निःशुल्क नेत्र जांच एवं उपचार शिविर 5 अक्टूबर को राजकीय माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में में आयोजित किया जाएगा, जिसकी शुरुआत प्रातः 8 बजे से हवन से होगी। इसके उपरांत प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. बिरेंद्र सिंह यादव शिविर का शुभारम्भ करेंगे। इस शिविर में बाहर से आने वाले मरीजों व अतिथियों के भोजन की व्यवस्था जनकल्याण मंच के सौजन्य से होगी। यह आयोजन आर्य समाज नांगल चौधरी के प्रधान महात्मा राधेश्याम आर्य के ब्रह्मत्व में होगा।

महाराज अजमीढ़ जयंती मनेगी 7 को

नारनौल। महाराजा अजमीढ़ देव की जयंती 7 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे मानक चौक में मनाई जाएगी। इस दिन महाराजा अजमीढ़ देव की मूर्ति सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण किया जाएगा। इस जयंती कार्यक्रम में नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी मुख्य अतिथि होंगी। अध्यक्षता मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार सभा रजि. के प्रधान राजेंद्र प्रसाद सोनी उर्फ गोलूराम करेंगे। विशेष अतिथि के रूप में मुख्यतः बिजली निगम के डारेक्टर नवीन वर्मा, सीकर के पूर्व अध्यक्ष नरेश सोनी नारनौलिया, पशु चिकित्सा विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डा. चंद्रभान सोनी, पूर्व चेयरमैन कोपरेटिव बैंक ओमप्रकाश आदि उपस्थित रहेंगे।

कनीना में आज मनाया जाएगा आरएसएस उत्सव

कनीना। आरएसएस की ओर से रविवार को पथ संचलन व मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। आरएसएस के वरिष्ठ सदस्य शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि बाबा मोलड़नाथ आश्रम के समीप दुर्गा माता मंदिर तालाब परिसर में सुबह साढे आठ बजे आयोजित इस समारोह में संघ के पदाधिकारी, सदस्य व सामाजिक लोग हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि आरएसएस की स्थापना के एक सौ वर्ष पूर्ण होने पर उत्सव मनाया जा रहा है। संघ सदस्यों ने देश हित व समाजहित में कार्य करते हुए नयी बुलंदियों को छुआ है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर शोभायात्रा 7 को

मंडी अटेली। सात अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती अटेली में बड़ी धूमधाम से मनाई जाएगी। हर वर्ष की तरह इस बार भी युवा वाल्मीकि समिति अटेली द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जयंती अवसर पर भगवान वाल्मीकि की शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों और चौक-चौराहों से निकाली जाएगी। शोभायात्रा में समाज के लोग बढ़-चढ़कर भाग लेंगे और आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत की जाएंगी।

खरीफ की बाजरे की कटाई नहीं होने के बावजूद 11 अगस्त से ही डीएपी खरीद रहे किसान

बिक्री केंद्र पर अब तक 5800 बैग डीएपी, 2300 बैग एनपीके तथा 1800 बैग टीएसपी के वितरित किए जा चुके

रबी की सरसों एवं गेहूं की बिजाई में करेंगे इस्तेमाल

अबकी बार दो महीने से एडवांस में डीएपी खाद खरीद रहे किसान

अनाज मंडी स्थित मार्केट सोसायटी के कार्यालय पर पिछले दो दिनों से डीएपी खाद की आपूर्ति की जा रही है, लेकिन किसान भीड़ के रूप में पहुंचने से बेकाबू हालातों को नियंत्रण में रखने एवं लाइन लगवाने में पुलिस की मदद ली जा रही है।

नारनौल। खाद खरीदने उपरांत उसके पास बैठी महिला किसान। फोटो : हरिभूमि

राजकुमार ⏭ रोहतक

जिले में किसान रबी फसल की बिजाई से पहले खेतों में डाले जाने वाले डीएपी खाद के लिए आजकल पुलिस के पहरे में बांटा जा रहा है। इनकी डिमांड को देखते हुए अनाज मंडी स्थित मार्केट सोसायटी के कार्यालय पर पिछले दो दिनों से डीएपी खाद की आपूर्ति की जा रही है, लेकिन किसान भीड़ के रूप में पहुंचने से बेकाबू हालातों को नियंत्रण में रखने एवं लाइन लगवाने में पुलिस की मदद ली जा रही है। खाद खरीदने केवल पुरुष किसान ही नहीं, महिलाएं भी पहुंच रही हैं। इस बिक्री केंद्र पर अब तक 5800 बैग डीएपी, 2300 बैग एनपीके तथा 1800 बैग टीएसपी के वितरित किए जा चुके हैं। शनिवार को भी एक किसान को आधार कार्ड के बेस पर दो डीएपी बैग तथा एक बैग टीएसपी का दिया गया।

नारनौल। सोसायटी कार्यालय पर खाद बंटवाती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

शुरू हो चुकी रबी फसल की बिजाई

गौर हो कि अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में रबी फसल की बिजाई शुरू हो चुकी है। रबी फसल के तहत आजकल किसान सरसों की बिजाई पर अत्यधिक ध्यान केंद्रीत कर रहे हैं। किसानों के लिए सालभर में इसी फसल को प्रमुख आमदनी वाली फसल माना जाता रहा है। हालांकि इसी सीजन में यहां के किसान चने की भी बिजाई करते हैं, लेकिन यह कम ही मात्रा में बोया जाता है। इसकी तुलना में गेहूं की बिजाई ज्यादा होती है, लेकिन विगत कुछ सालों में देखने को मिला है कि अब यहां का किसान ज्यादा आमदनी कमाने में अधिक से अधिक काला सोना मानी जाने वाली सरसों फसल की बिजाई करने लगे हैं, जबकि गेहूं की बिजाई नाममात्र को अपने घर-परिवार के खाने के लिए ही करते हैं। ऐसे में जिले में पिछली बार अप्रैल महीने में गेहूं खरीदने में लोगों को कुछ परेशानी हुई थी और उन्हें जिले से बाहर से गेहूं खरीदकर लाना पड़ा था। अबकी बार भी ऐसे ही हालात बनते दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि कुछ रोज पहले हुई रिमझिम बरसात से बनी नमी का फायदा उठाने के लिए किसान अधिकाधिक सरसों पर फोकस कर रहे हैं।

खाद बिक्री की स्थिति

अनाज मंडी के मार्केट सोसायटी कार्यालय पर अबकी बार डीएपी खाद दो महीने पहले ही खरीदने को किसान पहुंच गए थे। पहली बार इस बिक्री केंद्र पर 11 अगस्त को पूरे 500 बैग किसानों द्वारा खरीदे गए। इसके पश्चात दो सितंबर को 900 बैग, 8 सितंबर को 500 बैग, 18 सितंबर को 2000 बैग, 23 सितंबर को 900 बैग, तीन अक्टूबर को 500 बैग तथा 4 अक्टूबर को 500 बैग खरीदे गए। डीएपी के अलावा इस बिक्री केंद्र पर 2300 बैग एनपीके तथा 1300 बैग टीएसपी के भी बेचे गए।

यह बोले मैनेजर

दी कोआप्रेटिव मार्केटिंग सोसायटी नारनौल के मैनेजर सुनील चौधरी ने बताया कि हमारे पास किसान डीएपी खाद करने के लिए करीब दो महीने से आ रहे हैं। जब भी खाद की सप्लाई आती है, तब-तब ही किसानों में खाद बांटा जा रहा है। अब तक करीब 5800 बैग डीएपी खाद तथा 3700 बैग एनपीके व टीएसपी के बेचे जा चुके हैं। एक डीएपी खाद बैग की कीमत 1350 रुपये तथा एनपीके व टीएसपी 1300 रुपये में दिया जा रहा है। किसान को सेंटर पर आधार लेकर आना होता है।

उत्पादन बढ़ाने के लिए दे रहे खाद पर जोर

किसान इन दिनों सरसों की फसल का उत्पादन बढ़ाने के लिए डीएपी खाद की खरीद पर जोर दिए हुए हैं। डीएपी सरसों की बिजाई से पहले खेत की जुताई करके डाला जाता है। इस खाद को डालने उपरांत किसान सरसों की बिजाई आसानी से करते हैं। यही स्थिति गेहूं की बिजाई के समय भी रहती है। गेहूं बीजने से पहले किसान खेत में डीएपी डालते हैं, ताकि फसलों का उत्पादन अच्छा हो और उसे बिक्री पर बेहतर कमाई हो सके। उत्पादन बढ़ाकर कमाई करना ही किसान का मुख्य उद्देश्य डीएपी पर टिका हुआ है।

डीएपी के साथ दिया जा रहा एनपीके व टीएसपी

खाद के संदर्भ में एनपीके का मतलब नाइट्रोजन (एन), फॉस्फोरस (पी), और पोटैशियम (के) है, जो पौधों की वृद्धि और स्वास्थ्य के लिए तीन मुख्य प्राथमिक पोषक तत्व हैं। नाइट्रोजन पत्तियों के विकास में मदद करता है, फॉस्फोरस जड़ों और फूलों के विकास के लिए महत्वपूर्ण है और पोटैशियम पौधों के समग्र स्वास्थ्य और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। इसी प्रकार खाद टीएसपी का अर्थ ट्रिपल सुपर फॉस्फेट है। यह एक उच्च गुणवत्ता वाला है, जो पौधों के विकास, जड़ों की मजबूती और उत्पादन में वृद्धि के लिए उपयोगी है। इनके उपयोग से फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी होती है।

एडवांस स्टॉक करने में जुट गए थे किसान

अनाज मंडी स्थित मार्केट सोसायटी के खाद बिक्री केंद्र पर इस रबी सीजन में पहली बार 11 अगस्त को ही डीएपी खाद बिकना शुरू हो गया था, जबकि उन दिनों डीएपी खाद की कोई जरूरत भी नहीं होती। क्योंकि सितंबर के अंत में खरीफ सीजन की फसल बाजरे की कटाई होती है। बाजरे की कटाई करने पर ही खेत खाली होते हैं, जिसमें जुताई करने पर डीएपी खाद अगली फसल के लिए डाली जाती है, लेकिन किसानों ने इस बार डीएपी खाद के लिए एडवांस में ही बिक्री केंद्रों के चक्कर लगाने शुरू कर दिए थे, जो सिलसिला आज तक बदस्तूर जारी है और खाद बिक्री केंद्रों पर पुलिस के पहले में लाइनें लगाई जा रही हैं।

हैफेड के एमडी ने बाजरा खरीद का लिया जायजा

हरीभूमि न्यूज ⏭ कनीना

हैफेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मुकुल कुमार शनिवार को ने अनाज मंडी का दौरा कर बाजरा खरीद का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि इस बार बाजरे की क्वालिटी अच्छी नहीं है तथा बाजरा बदरंग है। इसलिए खरीद पर विशेष सावधानी बरती जा रही है। उन्होंने मंडी में खरीद संबंधी सभी कार्यों का अधिकारियों से फीडबैक लिया। इस दौरान उनके साथ हैफेड के जिला प्रबंधक प्रवीण कुमार, जिला के प्रबंधक प्रवीण भारद्वाज, मार्केट कमेटी के सचिव मनोज पाराशर, हैफेड प्रबंधक वीरेंद्र सिंह, खरीद अधिकारी जगराम यादव, भरपूर सिंह यादव, मनीष कुमार, रविंद्र, कंवर सिंह, मनीष मित्तल, नरेंद्र सिंह व कंवर सिंह आदि उपस्थित रहे।

कनीना। खरीद का जायजा लेते हैफेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मुकुल कुमार व अन्य अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

मोड़ावाला स्वर्ग आश्रम का प्रधान घोषित करने पर लोगों ने मीटिंग कर जताई आपत्ति

नारनौल। शहर की गणमान्य व्यक्तियों एवं गुसाईं समाज की बैठक महासचिव सुरेश यादव घाटाशेर के कार्यालय पर हुई। सुरेश यादव ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि मीटिंग में समाज के लोगों ने कहा कि उन्हें मीडिया के माध्यम से पता चला है कि एक व्यक्ति ने अपने आपको मोडावाला स्वर्ग आश्रम का प्रधान घोषित किया है। यह सर्वविदित है कि कुछ दिन पूर्व 12 जून को अग्रवाल सभा भवन एवं 16 जून को रेवाड़ी रोड स्थित हनुमान मंदिर तथा उसके उपरांत 29 जून को सरस्वती गार्डन में शहर के 36 बिरादरी के सैकड़ों गणमान्य व्यक्तियों ने एक बैठक का आयोजित कर स्वर्ग आश्रम में हो रही है नियमितताओं के लेकर रोष प्रकट किया था। रामलीला प्रधान संजय गर्ग को पिछले 10 वर्षों से स्वर्ग आश्रम की सेवाओं को देखते हुए उन्हें स्वर्ग आश्रम समिति का प्रधान नियुक्त किया। उन्होंने बताया कि संजय गर्ग की देखरेख में मोक्ष वाहन की सेवाएं सहित अनेक निर्माण कार्य चल रही हैं। उनके नेतृत्व में एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया था, जिसमें उमाकांत छक्कड़ को उपप्रधान, सुरेश यादव को महासचिव, राजीव शर्मा को सहायक सचिव व बद्रीप्रसाद गर्ग को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। केशव संघी एडवोकेट एवं हरीश सैनी एडवोकेट को लीगल एडवाइजर नियुक्त किया गया। उन्होंने बताया कि यहां के कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक ट्रस्ट का गठन करना है, जिसमें गुसाईं समाज के साथ-साथ शहर के गणमान्य व्यक्तियों को शामिल करना है, जिसकी प्रक्रिया चालू है। इसी दौरान एक व्यक्ति ने अपने आपको प्रधान घोषित कर पूरे शहर को अचंभित कर दिया।

परिजनों में मातम छाया

ऑडी कार की टक्कर से साइकिल सवार इकलौत बेटे की जान गई

नारनौल। छात्र कुलदीप व क्षतिग्रस्त ऑडी कार, जिसने एक्सीडेंट किया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

महेंद्रगढ़ रोड पर नसीबपुर जिला जेल के सामने एक तेज रफ्तार ऑडी कार द्वारा साइकिल चला रहे करीब 13 वर्षीय लड़के को टक्कर मार देने से उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ऑडी को वहीं छोड़ फरार हो गया, जबकि पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से छात्र को उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे दम तोड़ दिया। पुलिस ने ऑडी कार को कब्जे में लेने उपरांत शनिवार प्रातः आरोपित चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया।

गांव डोहर कलां का रहने वाला अजीत सिंह करीब एक महीने से अपनी पत्नी व बच्चों के साथ नारनौल की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहता है। वह इससे पहले जमालपुर में रहते थे। वह तथा उसकी पत्नी दोनों मेहनत मजदूरी करते हैं। उसका करीब 13 वर्षीय पुत्र कुलदीप उर्फ लक्की शुक्रवार रात को करीब नौ बजे हाउसिंग बोर्ड के बाहर महेंद्रगढ़ रोड पर साइकिल चला रहा था। तभी एक ऑडी ड्राइवर अपनी कार को तेज गति से चलाता हुआ आया तथा उसने साइकिल चला रहे कुलदीप को सीधे टक्कर मार दी। पुलिस ने मौके पर पहुंची तथा एंबुलेंस की मदद से लड़के को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डाक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि ऑडी कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि हादसे के बाद कार के एयरबैग स्वतः ही खुल गए, जिस कारण ऑडी चालक को चोट नहीं लगी तथा वह उसे वहीं छोड़ मौके से फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया। ड्राइवर पास ही बसे हुडा सेक्टर एक का रहने वाला बताया जा रहा है। मृतक कुलदीप की एक छोटी बहन है।

मृतक का अगले महीने था जन्मदिन

मृतक का अगले महीने 20 नवंबर को जन्मदिन भी आने वाला था, लेकिन इससे पहले ही वह एक्सीडेंट का शिकार हो गया। इस घटना से परिजनों में मातम छाया हुआ है तथा उनकी दीपावली पर्व की खुशियां रुदन में बदल गई हैं। शव का पोस्टमार्टम कराने उपरांत परिजनों एवं ग्रामीणों ने उसे गांव डोहर कलां ले जाकर उसका श्मशान घाट में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

राहगीरों और वाहन चालकों को हो रही परेशानी

17 वर्षों से नहीं हुआ मोहल्ला खटीकान की सड़क का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

मोहल्ला खटीकान में करीब 350 मीटर लंबा सड़क मार्ग पिछले 17 वर्षों से बदहाल अवस्था में पड़ा है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों से वाहन चालक के साथ-साथ पैदल राहगीरों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। मोहल्लावासियों ने सड़क का निर्माण जल्द से जल्द कराने की मांग की है। यह मार्ग 350 मीटर लंबा व करीब 30 मीटर चौड़ा है। 11 हट्टा बाजार से स्टेट हाईवे को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता है। इस मार्ग से दो से ढाई हजार वाहनों का आवागमन रहता है। आसपास के गांवों के ग्रामीण भी इसी रास्ते से सब्जी व अन्य सामान लेने के लिए आते हैं। पटवार घर भी इसी रोड स्थित हैं, जिसके लोगों को आवगमन लगा रहता है। रोड टूटे होने के कारण वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। पिछले वर्ष इस मार्ग को लेकर टेंडर लगाए गए थे, लेकिन किसी कारणवश काम शुरू नहीं हो पाया।

■ 11 हट्टा बाजार से स्टेट हाईवे को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता

महेंद्रगढ़। मोहल्ला खटीकान जर्जर अवस्था में सड़क। फोटो : हरिभूमि

मार्ग पर हैं कई दुकानें

इस मार्ग पर दो मंदिर, एक अस्पताल, स्कूल, मस्जिद, मासाखोरों की दुकान, कबाड़ की दुकानें, पटवार घर स्थित है। लोग लघु सचिवालय जाने के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। लोग सब्जी मंडी व शहर का प्रमुख 11 हट्टा बाजार जाने के लिए इसी रोड से होकर गुजरते हैं। स्कूली विद्यार्थी व कॉलेज की छात्राएं महाविद्यालय में इसी रास्ते से जाते हैं। यह छोटा व आसान रास्ता भी है। आसपास के ग्रामीण पटवारी के पास भी इसी रास्ते से आते है। पिछले 13 वर्षों से यह रोड टूटा हुआ है। लोगों ने प्रशासन से इस रोड का जल्द निर्माण करने की मांग उठाई हैं।

दो साल बाद ही रोड टूटने लगा

11 हट्टा बाजार से स्टेट हाईवे का लगभग डेढ़ किलोमीटर रोड 2008 में बनाया गया था। रोड बनने के दो साल बाद ही रोड टूटने लगा था, तब से 11 हट्टा बाजार से मोहल्ला वाल्मीकि तक पूरा रोड टूटा हुआ है। कई स्थानों पर रोड दिखाई नहीं देता। इसके अलावा जर्जर रोड से निकली रोड़यिा छीटक कर आसपास रहने वाले लोगों को घायल कर रही हैं। वहीं इस रोड पर कबाड़ की कई दुकान होने के चलते कील, तार भी रोड पर पड़े रहते हैं, जिसके कारण चार पहियां व दो पहिया वाहन भी अक्सर पंचर होते रहते हैं। आसापास के लोगों का कहना है कि नगर पालिका प्रशासन इस रोड की सुध नहीं ले रहा हैं। यह रोड इतना जर्जर हो चुका है कि आए दिन हादसे होते रहते हैं।

18.50 लाख का लगा है टेंडर

नगर पालिका की ओर से 18.50 लाख रुपये की लागत से मोहल्ला खटीकान के मार्ग का निर्माण करने का टेंडर लगाया हुआ है। जल्द हीं सभी प्रक्रिया पूरी करके सड़क का निर्माण करवाया जाएगा। निर्माण कार्य से पूर्व मार्ग के दोनों तरफ पक्के अतिक्रमण व कबाड़ को हटाकर मार्ग को चौड़ा किया जाएगा। शहर में फिलहाल तेजी से विकास कार्य चले हुए हैं।

-रमेश सैनी, चेरयमैन, नगर पालिका, महेंद्रगढ़

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 5 अक्टूबर 2025

कवर स्टोरी
डॉ. गरिमा संजय दुबे

किस बात की है इतनी जल्दबाजी !

आज के दौर की जीवनशैली इतनी तेज हो चुकी है कि हर कोई, सब कुछ तुरंत पा लेना चाहता है। तुरंत सफल न होने पर हम तनाव और अवसाद से घिर जाते हैं। जल्दबाजी की इस प्रवृत्ति के कारण हम जीवन का आनंद लेना ही भूलते जा रहे हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि हम जरा ठहरें और जीवन को संतुलन के साथ जीने का प्रयास करें।

महान संत कवि कबीर दास का प्रसिद्ध दोहा है-

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आवे फल होय।।

इसमें कबीर दास जी कहते हैं कि मन में धीरज रखने से ही सब होता है। यानी किसी कार्य को पूरा होने में निर्धारित समय लगता है। इसलिए अनावश्यक जल्दबाजी या अधीर होना सही नहीं है।

अकसर लोग यह भी कहते सुने जाते हैं कि समय से पहले और भाग्य से अधिक कुछ नहीं मिलता। यदि यहां भाग्य को नकार भी दिया जाए तो समय को तो नकारा नहीं जा सकता। लेकिन आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और उस पर दिखावे के साथ भौतिकतावादी तत्वों के आकर्षण ने केवल युवा ही नहीं प्रौढ़ और अधेड़ उम्र के व्यक्तियों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। इस वजह से लोगों में धीरज कम होता जा रहा है। हर कोई सब कुछ जल्द से जल्द पा लेना चाहता है। क्यों बढ़ रही है यह मनोवृत्ति, इसके क्या हैं परिणाम और इससे बचने के उपायों के बारे में हम सभी को विचार करना जरूरी है।

पहचान पाने की होड़

यह सही है कि इस दुनिया में हर इंसान अपनी अलग विशिष्ट पहचान बनाने के लिए संघर्ष करता है, करना भी चाहिए। लेकिन आज यह प्रवृत्ति बड़ी तेजी से असंतुलन का कारण बनती जा रही है। एक-दूसरे से अंतहीन होड़, उसकी कमीज मेरी कमीज से सफेद कैसे की तर्ज पर, अब यह अहंकार पुष्टि का पर्याय भी बनती जा रही है। अपनी अलग पहचान बनाने की इच्छा बुरी नहीं है, लेकिन उसकी हड़बड़ी जरूर व्यक्तित्व में असंतुलन पैदा कर सकती है। सब कुछ एक साथ, अभी के अभी मुझे मिल जाए। मैं हर जगह मौजूद रहूं, हर कहीं, पुरस्कार केवल मेरे हिस्से में आएं, केवल मेरी ही चर्चा हो, सब मुझे चाहें, सब मुझे सराहें, केवल मेरे पास ही सब हो, सब मेरी सुनें, सब मेरे ज्ञान से लाभान्वित हो (गोया कि ज्ञान पर केवल आपका कॉपीराइट है) और मैं इस वाह-वाह के बादलों पर सवार हो उड़ान भरूं। ऐसी सोच ना तो पूरी तरह व्यावहारिक है और ना ही सही कही जा सकती है।

सोशल मीडिया की भूमिका

वास्तव में देखा जाए तो पहले की तुलना में पहचान का संकट अब उतना रहा नहीं है कि आपमें कोई विशिष्ट गुण हो और आप अनदेखे रह जाएं। सोशल मीडिया ने प्रचार-प्रसार के तमाम साधन उपलब्ध करवाए हैं। हालांकि सोशल मीडिया के कई लाभ हैं तो कई नुकसान भी हैं। इसके जरिए पॉपुलर होने की धुन में इन दिनों रील बनाने की लत युवाओं को लग गई है। इस लत के चलते कई बार सफलता मिलने के बाद फिर फॉलोअर्स में कमी आने पर युवा अवसाद में भी चले जाते हैं। इससे आत्महत्याओं की खबरें भी आती रहती हैं, जो बेहद चिंताजनक हैं। सोशल मीडिया के जरिए रातों-रात सफलता मिलने पर उसे सही तरीके से संतुलित करने का प्रयास होना चाहिए और उसकी लत से जीवन समाप्त कर देने की अति से भी बचा जाना चाहिए। यही नहीं इंस्टेंट सक्सेस की चाह आज के दौर में सब कुछ बहुत तेजी से बदल रहा है। जीवनशैली में इस भाग-दौड़ की प्रवृत्ति का यह असर है कि लोग कामयाबी भी जल्दी हासिल करना चाहते हैं। इसके साथ ही आजकल कुछ लोग, दूसरे सफल लोगों की उपलब्धियों को देख-देखकर हीनभावना से ग्रसित होने लगते हैं। सफलता पाने की आस कतई गलत नहीं है। सबके अपने-अपने लक्ष्य होते हैं, जिन्हें पाने का वे प्रयास करते हैं। लेकिन जीवन में कोई भी बड़ी सफलता इंस्टेंटली नहीं मिलती है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि बड़ी सफलता पाने के लिए सधी हुई निरंतर गति, प्रयास और स्तरीय रचनाधर्मिता जरूरी होती है। लक्ष्य की प्राप्ति, धैर्य के साथ सही प्रयास की मांग करती है। स्थायी सफलता, छोटे-छोटे लेकिन सार्थक कदमों का परिणाम होती है।

सबकी क्षमताएं होती हैं भिन्न

किसी को सफल देखकर हम यह नहीं सोचते कि उस व्यक्ति की क्षमता, योग्यता, समय की उपलब्धि, जिम्मेदारियों का प्रकार अलग हो सकता है। आमतौर पर किसी को सफल देखकर हम दो तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं। एक, जब वो कर सकता या सकती है तो मैं क्यों नहीं? दूसरी, अरे उनके पास कोई काम-काज है नहीं, फुर्सत रहती है, इसलिए बस लगे रहते हैं। भई हमें तो और भी बहुत काम हैं। इसलिए उनके जैसी सफलता नहीं पा सके। दोनों ही प्रतिक्रियाएं अतिवादी हैं और गलत भी। न तो हर कोई हर कार्य कर सकता है और न ही वो इसलिए अच्छा काम कर पा रहा है, है क्योंकि उसके पास फालतू का टाइम रहता है। आपको समझना चाहिए कि उस व्यक्ति की लगन, प्रयास और समय प्रबंधन आपसे बेहतर है। जिस तरह यह कहा जाता है कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता, सबकी अपनी-अपनी क्षमता होती है, ठीक यही बात बड़ों को भी समझनी होगी कि हम सब भिन्न-भिन्न प्रकृति के, भिन्न-भिन्न योग्यता वाले इंसान हैं। कोई कवि है, कोई खिलाड़ी, कोई अच्छा खाना बनाता है तो कोई अच्छा गाता है, कोई सामाजिक स्तर पर सक्रिय है तो कोई घरेलू मोर्चे पर सफल है, किसी ने जॉब को प्राथमिकता माना है तो किसी ने घर को, हममें से कोई भी असफल नहीं है। हमें अपने क्षेत्र में प्रवीणता हासिल कर सफल होने का प्रयास करना चाहिए, न कि दूसरों की नकल करके या उससे ईर्ष्या करके उस क्षेत्र में प्रयास करना चाहिए, जिसकी प्रतिभा हम में है ही नहीं।

खुद को ना मानें असफल

ऐसा सोचना सही नहीं है कि जिसकी चर्चा अधिक होती है, तो वह सफल है। यदि किसी व्यक्ति में दुनिया को बताने या चर्चित होने के लिए कोई विशेष गुण न भी हो, तो भी वह एक व्यक्ति एक इकाई के रूप में तो सफल है ही। आखिर हम पर सफलता का इतना दबाव क्यों होना चाहिए? हमें सोचना चाहिए कि इससे क्या फर्क पड़ता है, यदि मुझे कुछ कम लोग जानते हैं? किसी को 2000 लोग जानते हैं और किसी को 500 तो क्या फर्क पड़ जाएगा? आपकी सफलता का मानक सिर्फ आपकी सोशल पॉपुलैरिटी पर निर्भर नहीं करता है। इसका एक मानक यह भी है कि आपकी अपने परिवार, अपने सोशल और फ्रेंड सर्कल में कैसी इमेज है? आप अपने दायित्वों का कितनी अच्छी तरह से निर्वहन करते हैं?

सही नहीं जल्दबाजी का तनाव

यह कहना गलत नहीं होगा कि आधुनिक जीवनशैली ने स्लो एंड स्टेडी की जगह हमें फास्ट एंड फ्यूरियस बना दिया है। धैर्यवान की जगह हम में से अधिकतर अधीर होते जा रहे हैं। शांति के बजाय मन में बेचैनी सी छाई रहती है। अपने साथ दूसरों की उन्नति देख प्रसन्न होने की जगह ईर्ष्या का भाव जन्म लेने लगता है। सफलता की चाह में सक्रिय होने के बजाय हाइपर एक्टिव होते जा रहे हैं हम। इससे हम अनचाहे तनाव से घिरकर अपने जीवन को अशांत और अव्यवस्थित बना लेते हैं। ऐसे में ठहरकर विचार करने की जरूरत है। कहते हैं, 'अति सर्वत्र वर्जयेत।' जरूरत से अधिक सक्रियता, तेजी और जल्दबाजी, स्वास्थ्य और मानसिक स्थिरता को नष्ट कर देती है। थोड़ा धैर्य और थोड़ी स्थिरता से हम बेहतर परिणाम पा सकते हैं। *

न्यू लाइफस्टाइल / अंशु सिंह

जेन जी यानी बिल्कुल नई पीढ़ी के बच्चे और युवा, हाथ से लिखने के बजाय कीपैड पर कंपोज करना आसान मानते हैं। लेकिन हैंड राइटिंग से बढ़ती यह दूरी, इस पीढ़ी के लिए किस तरह नुकसानदेह है, इस बारे में ध्यान देने की जरूरत है।

हैंड राइटिंग से बच रही जेन जी

आज की डिजिटल तकनीक के विस्फोट ने जहां हमारे संवाद और सीखने के तरीके को बदल दिया है। दूसरी ओर बच्चों की मोबाइल फोन और वीडियो गेम्स की लत से पहले से परेशान पैरेंट्स, अब उनकी लिखावट को लेकर भी चिंतित रहने लगे हैं। खासकर जेन जी पीढ़ी (पीयू रिसर्च के मुताबिक, जेन जी यानी जेनरेशन जेड, वह पीढ़ी है, जो 1997 और 2012 के बीच पैदा हुई है। इन्हें

जूमर्स या पोस्ट मिलेनियल्स भी कहते हैं।) पेन और पेंसिल से बचने लगी है। इसलिए वे हाथ से लिखना भूलते जा रहे हैं, जो चिंता का विषय है। अध्ययनों के अनुसार, हाथ से लिखना साक्षरता और संज्ञानात्मक विकास के लिए महत्वपूर्ण होता है।

नहीं लिखना चाहती नई पीढ़ी: कोविड के दौरान जब ऑनलाइन क्लासेज का सिलसिला शुरू हुआ, तो बच्चों का डिजिटल समय पहले से कई गुणा बढ़ गया। उस दौर में शिक्षा जारी रखने का दूसरा कोई विकल्प भी नहीं था। लेकिन एक समय के बाद शिक्षकों और पैरेंट्स दोनों को आभास हुआ कि बच्चे लिखना नहीं चाह रहे। वे हाथ से लिखने से बच रहे हैं। अब स्टेवांगर यूनिवर्सिटी का एक अध्ययन बताता है कि करीब 40 फीसदी जेन जी पीढ़ी हस्तलिखित संवाद पर अपनी पकड़ खोती जा रही है। उनकी लेखनी में न सफाई दिखाई दे रही है और न ही स्पष्टता।

डिजिटल मीडिया ने बदला संवाद का तरीका: दरअसल, डिजिटल टेक्नोलॉजी और सोशल मीडिया ने आपस में संवाद के पूरे तरीके को ही बदल दिया है। बच्चे हों या नौजवान, सभी वाट्सएप, टेलीग्राम, स्नैपचैट पर संक्षिप्त संदेशों या इमोजी के जरिए अपनी बात रखना पसंद करते हैं। कम से कम शब्दों में सूचनाएं देने की कोशिश करते हैं। कई बार सिर्फ 10 शब्दों में पूरी बात खत्म हो जाती है। ये स्लैंग के माध्यम से साझा किए गए छोटे विचार होते हैं। इससे लिखने की आदत छूटती जा रही है। स्टेवांगर यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर नेदरेट किलिसेरी ने जब इस प्रवृत्ति पर शोध किया तो पाया कि इन दिनों कॉलेज स्टूडेंट्स के पास बुनियादी लेखन कौशल की कमी होती जा रही है। वे लंबे वाक्य संरचनाओं के बजाय छोटे वाक्य लिख रहे हैं। कलम की जगह की-बोर्ड का प्रयोग करने के कारण कई स्टूडेंट्स के लिए कागज पर खुद को ठीक से अभिव्यक्त करना मुश्किल हो रहा है। वे न पत्र लिख पाते हैं और न ही औपचारिक ई-मेल। यही पीढ़ी जब वर्कफोर्स का हिस्सा बनती है तो उन्हें कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उनकी प्रेजेंटेशन स्किल से लेकर अन्य कौशल प्रभावित होते हैं।

हस्तलिपि से बढ़ती है याद्दाश्त: शिक्षा में हस्तलेखन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो संज्ञानात्मक विकास, सीखने की क्षमता को बनाए रखने और शैक्षणिक प्रदर्शन में योगदान देता है। जब बच्चे हाथ से लिखना सीखते हैं, तो उनके मस्तिष्क के कई क्षेत्र सक्रिय होते हैं, जो गतिशील कौशल, स्मृति और भाषा अधिग्रहण के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसके अलावा, यह प्रक्रिया तंत्रिका संबंधों को बढ़ाती है, जो पढ़ने और लिखने में सहायक होते हैं। साक्षरता और समग्र संज्ञानात्मक विकास की नींव रखते हैं। हस्तलेखन केवल संज्ञानात्मक लाभ ही नहीं प्रदान करता, यह रचनात्मकता और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को भी बढ़ावा देता है। प्रत्येक छात्र की अनूठी लेखन शैली उनके आत्मविश्वास और संलग्नता को बढ़ा सकती है, जिससे सीखने का अनुभव अधिक व्यक्तिगत और सार्थक बन जाता है। इसके अतिरिक्त, हस्तलेखन अनुशासन और

एकाग्रता को बढ़ावा देता है। इससे याद्दाश्त तेज होती है। तभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले नोट्स बनाने पर ध्यान देते हैं। लिखने का अभ्यास करते हैं।

मानसिक रोगों से निपटने में मददगार: नॉर्वेजियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में न्यूरोसाइकोलॉजी की प्रोफेसर ऑड्रे वैन डेर मीर के अनुसार, हाथ से कुछ लिखना, टाइप करने की तुलना में मस्तिष्क पर अलग तरह से प्रभाव डालता है। इससे छात्र लिखी गई जानकारी को बेहतर ढंग से याद रख पाते हैं। कोई भी पीढ़ी हस्तलिपि के फायदों को नजरअंदाज नहीं कर सकती, क्योंकि हाथ से लिखने के अनेक लाभ हैं। इससे अलग हटकर सोचने में मदद मिलती है। यह दिमाग को दैनिक दिनचर्या से हटकर खुद को अभिव्यक्त करने की आजादी देता है। अकसर जब हमारा मन किसी खास चिंता में घिरा रहता है, तो हाथ से लिखने पर विचारों की गति धीमी होती जाती है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि हस्तलेखन से अवसाद और चिंता दूर होती है। *

दोहे
प्रो. शरद नारायण खरे

शरद पूर्णिमा

अमिय बरसता चांद से, मंगलमय है नेह।
हृदय नवल आवेग में, हुई तरंगित देह।।
शशि की किरणें शुभ्र हैं, अंतर में आनंद।
पूर्णमासी आ गई, सबको आज पसंद।।
प्रीति चढ़ी परवान है, मादक हुए विचार।
तम ने खाई मात है, निखर रहा अभिसार।।
प्रेमातुर संसार है, वादों का विस्तार।
सबको आकर्षित करे, देखो अब अभिसार।।
छत पर बैठा है युगल, ले हाथों में हाथ।
चंदा भी देने लगा, प्रेमपगों का साथ।।
खिलती ज्योत्स्ना भली, बांट रही जो प्यार।
खीर खा रहा है जगत, बढ़ने लगा दुलार।।
शरद निशा चोखी हुई, बनी एक सौगात।
कोमल है अब चेतना, दिव्य हुए जज्बात।।
शरद चांद में है दमक, नया हुआ संसार।
प्रकृति पा गई प्रेम का, अनुपम नव उपहार।।

व्यंग्य / अशोक गौतम

मंत्री जी का जंगलारोपण इवेंट

मंत्री जी ने चमचों के साथ दो घंटे से चल रही गप्पों की गंभीर बैठक अचानक रोकी और पीए को बुलाया, 'पीए साहब! इस महीने के सारे जनहित काम हो गए न? देखो, हमें पेंडेंसी कतई पसंद नहीं।'

'जी जनाब! आपके चुनाव क्षेत्र के बाढ़ग्रस्त एरिया का भाभी जी ने पूरा दौरा कर लिया। वह भी एक बार नहीं, चार-चार बार ताकि चुनाव क्षेत्र का कोई भी बाढ़ग्रस्त कोना उनकी आंखों से ओझल न रहे। आपके बाढ़ प्रभावितों के प्रति संवेदनाओं को लेकर जितने प्रेस नोट और फोटो अखबारों में छपे, वे दूसरे मंत्रियों से दुगने ही छपे। बधाई हो सर!'

'गुड! वैरी गुड! और अब इस माह का बचा क्या है जनता को करने को?'

'सर! सॉरी! एक बात तो बताना भूल ही गया था।' कहते हुए पीए ने अपना सिर झुका लिया तो मंत्री जी ने पूछा, 'क्या?'

'सर! बरसात गुजर गई। पर सर, इस बार आपके कर कमलों द्वारा अब तक सद्भावना का पौधा नहीं लगा।'

'क्यों?'

'सर आप जनहित के दूसरे कामों में व्यस्त ही इतने थे कि मुझे लगा आप ओवर लोडेड हो जाएंगे। लेकिन सर! हर साल आपका पर्यावरण बचाने के लिए पौधा लगाना बहुत जरूरी है। आपका लगाया एक पौधा लाखों पौधों में जान फूंकता है सर! जब तक आप पौधा नहीं लगाते, जनता भले ही कितने ही पौधे क्यों न लगा ले, उनका कोई महत्व नहीं होता। वे पर्यावरण की रक्षा नहीं कर पाते। वे जंगल नहीं बन पाते।'

'पर, ये इतना जरूरी है क्या?' मंत्री जी ने पूछा।

'सर! आपको पर्यावरण हित में पौधा हर हाल में लगाना होगा। अगर आप पौधा नहीं लगाएंगे तो ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ जाएगी। अगर आप पौधा नहीं लगाएंगे तो अगले साल बसंत में ही लू चलनी शुरू हो जाएगी। इसलिए जनहित में आपको पौधा लगाना ही होगा सर!'

'अच्छा! पर यार लगाएंगे कहां?'

'इसका भी इंतजाम मैंने कर लिया है सर! आप अपने ऑफिस में ही जंगलारोपण करेंगे।' 'ऑफिस में! यहां मेरे कठोर अनुशासन के डर से पौधा सूख गया तो?'

'ऐसा नहीं होगा! सर! आपके लगाए पौधे आज तक सूखे कहां जो यह पौधा सूख जाएगा? आपके हाथों में वह जादुई शक्ति है, जो आप सूखे बांस की टहनी भी लगाएं तो वह भी दूसरे ही दिन बिन खाद पानी के हरी हो जाए। आप जैसे जनसेवक लोकतंत्र में युगों बाद जनता की रक्षा के लिए अवतरित होते हैं सर।' पीए ने चमचों के सामने उनमें हवा भरी तो जनाब आसमान में पहुंच गए।

'तो इसके लिए करना क्या होगा? इतनी जल्दी इवेंट मैनेज हो जाएगा क्या?' मंत्री जी आर्टिफिशियली गंभीर हुए, 'क्यों नहीं जनाब! बंदा है किसलिए? अभी प्रेस नोट बनाकर भेज देता हूं कि कल मंत्रीजी अपने ऑफिस में जंगलमहोत्सव मनाते प्रेम भाईचारे, तप, त्याग का अजर अमर कल्पवृक्ष लगा रहे हैं। इस अवसर पर वे एक और वृक्ष पर्यावरण को समर्पित करेंगे।'

'और भीड़ का क्या होगा?'

'आप चिंता न करे जनाब! आपके विभाग के सारे अफसर बुला लिए जाएंगे। वे और करते भी क्या हैं सर? और आपके जंगल-महोत्सव में जो सबसे हटकर होगा वह ये कि सब हरे कपड़े, हरे जूते, हरे मौजे, मुंह पर हरा रंग पोते आएंगे ताकि पौधा लगने से पहले ही वातावरण हरा-भरा हो जाए।' 'पर पौधा किस चीज का लगाएंगे? तुम्हें तो पता है कि हम सेकुलर कम नॉन सेकुलर हैं। सब में पौधे को लेकर भी मेरी तरह भ्रम की स्थिति बनी रहनी चाहिए।'

'सब समझ गया जनाब! आप चिंता न करें। ऐसा ही होगा। सर! अब बजट की बात भी हो जाए तो?'

'बजट कितना?'

'सर! मोटा-मोटा एक लाख रख लीजिए। आपके जंगलारोपण के बाद सबको लंच, गमले में लगा नॉन सेकुलर कम सेकुलर पौधा देंगे।'

'डोंट वरी, बस! इवेंट चकाचक हो जाए हर बार की तरह! और हां! मीडिया को बता देना कि पौधे से अधिक फोकस मुझ पर हो।'

'मेरे होते हुए चिंता की कोई बात नहीं जनाब!' पीए साहब ने उन्हें हद से अधिक आश्वस्त किया और कल के मंत्री जी के जंगल-महोत्सव हेतु उनके विभाग के मुखियाओं को अपने कमरे में आ मंत्री जी से भी अधिक गंभीर हो आवश्यक दिशा निर्देश देने में जुट गए। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजनरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक | व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

मिनी स्विट्जरलैंड जैसा एहसास कराए कौसानी

टूरिस्ट प्लेस
समीर चौधरी

वैसे तो उत्तराखंड में एक से बढ़कर एक सुंदर टूरिस्ट प्लेस हैं। लेकिन उनमें भी कौसानी सबसे अलग और बेहद खूबसूरत है। बारिश के बाद की हल्की ठंड भरे इस मौसम में मिनी स्विटजरलैंड कौसानी की यात्रा का अपना आनंद है। हाल में ही वहां की यात्रा से लौटे लेखक साझा कर रहे हैं, अपने अनुभव।

उत्तराखंड और उसके सभी प्रमुख पर्यटक स्थलों की तो एक नहीं कई कई बार यात्रा कर चुका हूं। लेकिन मैं कौसानी कभी नहीं गया था। कौसानी के बारे में मैंने बहुत सुना था, विशेषकर इसकी सुंदरता और वहां के शानदार मौसम के बारे में। हालांकि वहां अब तक न जाने का कोई विशेष कारण नहीं था, बस यूं कहिए कि जाना हो ही न सका। बहरहाल, पिछले महीने मैंने तय किया कि पांच दिन के लिए कौसानी घूम आया जाए। किसी भी हिल स्टेशन के लिए इतना समय पर्याप्त होता है। इसलिए मैंने दिल्ली से पंतनगर के लिए फ्लाइट पकड़ी और फिर कौसानी पहुंचने के लिए टैक्सी किराए पर ली। पंतनगर से कौसानी लगभग 178 किमी. के फासले पर है।

पहुंचने के कई तरीके: वैसे मैं बताता चलूं कि कौसानी रेल व सड़क मार्गों से भी पहुंचा जा सकता है। निकटतम रेलवे स्टेशन काठगोदाम है, जहां से अल्मोड़ा होते हुए कौसानी की चढ़ाई आरंभ हो जाती है। यहां से कौसानी की दूरी लगभग 141 किमी. है और टैक्सी के जरिए आसानी से पहुंचा जा सकता है। अगर सड़क मार्ग की बात करूं तो कौसानी अन्य कई हिल स्टेशनों से सड़क के जरिए जुड़ा हुआ है। मसलन, कौसानी अल्मोड़ा से 51 किमी., रानीखेत से 60 किमी., पिथौरागढ़ से 107 किमी., ग्वालदम से 39 किमी. और नैनीताल से 117 किमी. की दूरी पर है। दिल्ली से कौसानी पहुंचने के लिए सड़क पर 431 किमी. की यात्रा करनी पड़ती है।

याद आता है स्विटजरलैंड: मेरी टैक्सी ने जैसे ही कौसानी में प्रवेश किया तो मुझे एकदम से अपनी स्विटजरलैंड यात्रा याद आ गई। जिला बागेश्वर की गोद में बसे इस सुंदर हिल स्टेशन में स्विटजरलैंड में होने का एहसास होता है और इससे भी बढ़कर बात यह है कि लाखों रुपए खर्च करने की जरूरत नहीं, चंद हजार रुपयों में ही स्विटजरलैंड का आनंद कौसानी में पाया जा सकता है। मैंने अपने जीवन में कौसानी से सस्ता हिल स्टेशन नहीं देखा। आपको सुनकर हैरत होगी कि मेरी पांच दिन की कौसानी यात्रा में सिर्फ 20,000 रुपए का ही खर्च आया। हालांकि कहीं भी घूमने का खर्च इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितने समय वहां ठहरे, आपकी यात्रा शैली क्या है और आपने ठहरने के लिए किस स्तर की जगह का चयन किया है? लेकिन अगर आप कौसानी की बजट फ्रेंडली यात्रा करना चाहते हैं तो आप यहां 2 से 3 दिन तक मात्र 5,000 रुपए में भी घूम सकते हैं।

कई स्थलों पर दिखते हैं मनमोहक नैसर्गिक दृश्य

हर जगह मिलता है प्राकृतिक सान्निध्य का अनूठा अनुभव

बैजनाथ मंदिर

दिखते हैं लाजवाब नजारे: कौसानी में मुझे स्विटजरलैंड में होने का एहसास अकारण नहीं हुआ। बाद में मुझे एहसास हुआ कि मन को लुभाने वाली खूबसूरती के कारण ही लोग कौसानी को 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहते हैं। मैंने होटल में अपने कमरे में अपना सामान रखा, स्नान करके फ्रेश हुआ और हल्का सा नाश्ता करने के बाद कौसानी के आस-पास की पहाड़ी चोटियों की ओर टहलता हुआ निकल गया। चोटियों पर बादलों के रंगों के जादुई खेल को देखते हुए कब सुबह से शाम हो गई, मुझे पता ही न चला। चीड़ और नीले देवदार के जंगलों से ढंकी पहाड़ियों पर बसा यह गांव खासतौर से त्रिशूल, नंदा देवी और पंचाचूली जैसे हिमालय की चोटियों के मनमोहक नजारों के लिए भी विख्यात है। इसकी सुंदरता ने तो मेरा दिल ही जीत लिया। मुझे रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की वह पंक्ति याद आ गई कि सुंदर चीज हमेशा के लिए आनंद का स्रोत होती है। कौसानी की यात्रा केवल उसकी खूबसूरती के लिए भी की जा सकती है और मेरा तो मानना है कि कौसानी की यात्रा दिल के सुकून के लिए बार-बार की जा सकती है।

अगर आप मेरी तरह प्रकृति प्रेमी हैं तो कौसानी का दौरा आपको कम से कम एक बार अवश्य करना चाहिए। आमतौर पर महानगर के कंक्रीट के जंगल में रहते हुए लोग प्रकृति का अनुभव ही नहीं कर पाते हैं। यहां आस-पास के जंगलों में घूमते हुए प्रकृति से जुड़ने, कल-कल करती नदियों के किनारे बैठकर पक्षियों के गीत सुनने और जागती आंखों से सपनीले दृश्य देखने का अनुभव अवर्णनीय है।

दिखे खूबसूरत पक्षी-मनमोहक बागान: कौसानी में 50 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों को तो मैंने देखा, जिनमें मैं कुछ की ही पहचान कर सका जैसे कठफोड़वा, बारबेट, तोता, रोबिन, फोर्क टेल आदि, लेकिन जिन परिंदों को मैं पहचान न सका उनकी सुंदरता ने भी मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया। कौसानी के चाय के बागान भी देखने लायक हैं। ऋतिक रोशन की फिल्म 'कोई मिल गया' (2003) की शूटिंग नैनीताल और भीमताल के अतिरिक्त कौसानी में भी हुई थी। कौसानी में ट्रैकिंग करते हुए मैं पास के ही पिन्नाथ गांव पहुंचा, जो गोपालकोट चोटी की तलहटी में बसा हुआ है। इस गांव में भगवान भैरो को समर्पित छोटा सा मंदिर है। कौसानी में ही एक प्रसिद्ध बैजनाथ मंदिर भी है। कौसानी, आदि कैलाश ट्रैक, बेस कौसानी ट्रैक और कफनी ग्लेशियर के ट्रैक के लिए शुरुआती बिंदु भी है, जो 3,853 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। वहां से लौटते हुए मन ही मन वादा किया कि जब भी मौका मिलेगा मैं फिर से कौसानी जरूर आऊंगा। *

स्पेशलः वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे
10 अक्टूबर

पूर्ण स्वस्थ रहने के लिए फिजिकली के साथ मेंटली हेल्दी रहना भी जरूरी है। हालांकि इसके प्रति लोगों में अवेयरनेस बढ़ रही है लेकिन इस दिशा में और भी प्रयास किए जाने की जरूरत है।

फिजिकली ही नहीं मेंटली हेल्दी रहना भी है जरूरी

अवेयरनेस / रेखा देशराज

इंसान के जीवन का हर पहलू उसकी सोच, उसकी भावना, उसका व्यवहार, लोगों के साथ उसके संबंध और उसकी कार्यक्षमता आदि सबका रिश्ता उसके मानसिक स्वास्थ्य से होता है। इसलिए हमारे शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी होता है। बावजूद इसके हम इसके प्रति कितने लापरवाह हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 2012 से आगामी 2030 के बीच की अवधि में अकेले भारत में मानसिक स्वास्थ्य परेशानियों के कारण देश को 1.03 ट्रिलियन डॉलर या 85,49,000 करोड़ रुपए का नुकसान होना तय है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मानसिक स्वास्थ्य, सिर्फ हमारी सेहत की ही नहीं बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था को भी कितनी बड़ी क्षति पहुंचा रहा है। यह स्थिति अकेले भारत की नहीं है, दुनिया के ज्यादातर देशों में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति यही है।

मेंटल हेल्थ-डे की हुई शुरुआत: वर्ष 1992 से विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाए जाने की शुरुआत हुई ताकि लोगों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़े। यह दिन विशेष रूप से हमारे समाज, हमारी सरकार और हमारी विभिन्न संस्थाओं को यह याद दिलाता है कि मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों की उदासीनता और समाज में गलत धारणाओं को मद्देनजर रखते हुए ही इसके लिए एक विशेष दिन की घोषणा की। हालांकि पहली बार तो इस दिन के लिए कोई विशेष थीम या विषय नहीं चुना गया था, लेकिन 1994 के बाद हर साल इस दिन को मनाने के लिए एक विशेष थीम का चयन होता है, ताकि पूरे साल उस थीम विशेष के इर्द-गिर्द के मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस किया जाए।

चिंताजनक है स्थिति: आज पूरी दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति चिंताजनक हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक भारत में हर एक लाख व्यक्ति में 2,443 लोग मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और वह इसी अस्वस्थता के साथ जीवन जी रहे हैं। भारत में आत्महत्या की दर प्रति एक लाख लोगों में 21.1 है। इस दर की वजह भी बड़े पैमाने पर मानसिक स्वास्थ्य की समस्या का होना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट बताती है कि मानसिक विकार जैसे- डिप्रेशन, स्ट्रेस, बाईपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि रोग दुनिया के हेल्थ बर्डन का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। वर्तमान यानी साल 2025 में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जो थीम घोषित की गई है, उसमें यही बात है कि आपातकाल, प्राकृतिक आपदाएं, विस्थापन, युद्ध और महामारी जैसी घटनाएं मानसिक स्वास्थ्य पर ज्यादा दबाव बना रही हैं या दूसरे शब्दों में इनका रोग में बहुत ज्यादा बर्डन बढ़ चुका है। इसलिए आज आपातकाल, प्राकृतिक आपदाएं, विस्थापन, युद्ध और महामारी जैसी घटनाएं मानसिक स्वास्थ्य पर लगातार असर डाल रही हैं। इसलिए हर किसी का फर्ज है कि वह इस मानसिक स्वास्थ्य की समस्या से निपटने में खुद से पहल करे।

बढ़ रही है जागरूकता: विशेषज्ञों का अनुमान है कि जब से यह दिन मनाया जाना शुरू हुआ है, तब से बहुत बड़े पैमाने पर दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य सजगता बढ़ी है। आज दुनिया के करीब 80 फीसदी लोग यह जानते हैं कि उनके लिए मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही जरूरी है, जितना शारीरिक स्वास्थ्य। इसलिए अब लोग न केवल सहजता से अपने मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति को समझने लगे हैं बल्कि इसके निवारण में पूरी ताकत से हिस्सा लेते हैं। कुल मिलाकर धीरे-धीरे मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ रही है। *

रोजमर्रा की जिंदगी में ताजगी भर दे चाय

रोचक / शैलेंद्र सिंह

चाय महज एक पेय पदार्थ नहीं है। यह हमारी रोजमर्रा की लाइफस्टाइल की अनगिनत कहानियों का केंद्र भी है। कॉलेज के दिनों में कैंटीन में बैठकर दोस्तों के साथ न जानें कितनी कहानियां इसी चाय की चुस्कियों के बीच बनती-बिगड़ती हैं। ऑफिस में सहकर्मियों के साथ चाय की गपशप ब्रेक को कौन भूल सकता है। या घर में सर्दी-जुकाम होने पर दादी-नानी की अदरक, तुलसी वाली चाय से मिलने वाली राहत हो। मतलब यह कि चाय जीवन के हर खूबसूरत मौके पर एक बेहतरीन पुल का काम करती है।

चुस्ती-ताजगी भर दे: चाहे रिश्तों को जोड़ने का वाकया हो या किसी फैसले पर पहुंचने की रणनीति हो, शाम की तैयारी हो, दोस्ती की शुरुआत हो, प्रेम का इजहार हो या थकान भगाने का जरिया ही क्यों न हो, चाय हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा है। सुबह की नींद से लेकर रात की थकान तक, दोस्तों की बैठक से लेकर ऑफिस की थकाऊ मीटिंग, हर जगह चाय काम आती है। हममें से ज्यादातर की सुबह यह जुमला बोलते हुए शुरू होती है, 'अरे चाय बनी क्या?' नींद से अभी आंखें पूरी तरह से खुली भी नहीं होतीं कि गरम-गरम चाय का एक घूंट हममें चुस्ती, फुर्ती और ताजगी भर देता है।

शुरू हुआ टी-ब्रेक का चलन: शायद ही देश में ऐसा कोई शख्स हो, जिसके कानों में 'चाय गरम, चाय गरम...' की आवाज सुनाई पड़े और उसकी आंखों में हिंदुस्तान का कोई रेलवे प्लेटफॉर्म न घूमने लगे। हमारी रेल की यात्राएं चाय की कहानियों के साथ नत्थी होती हैं। चाय न हो तो रेलवे का सफर बेहद उबाऊ हो जाएगा। रेलवे की ही क्यों, ऑफिस की बात क्यों न कहें। क्या भारतीय दफ्तरों की दास्तानें बिना चाय की चुस्कियों के पूरी होती हैं क्या? कॉरपोरेट जगत में तो टी-ब्रेक को तरोताजा करने वाला ब्रेक माना जाता है। शायद यह बात अंग्रेज भी अच्छी तरह से जानते थे या फिर शायद अंग्रेजों ने ही इसकी खोज की, क्योंकि द्वितीय विश्वयुद्ध के समय जब हिंदुस्तान में 24 घंटे कारखानों में काम करने का सिलसिला शुरू हुआ, तो इसके साथ ही अनिवार्य रूप से टी-ब्रेक होना शुरू हुआ। हर एक ड्यूटी में दो टी-ब्रेक और एक में नाश्ता होता था। यह एक ऐसी शुरुआत थी कि लोगों ने काम की थकान से ऊबने की शिकायतें करना बंद कर दिया। कर्मचारियों को सिर्फ काम के बीच चाय का ब्रेक याद रहता और उसी ब्रेक के लिए वे पूरे टाइम जी-जान लगाकर काम करते रहते हैं कि टी-ब्रेक में गर्मागर्म चाय पीएंगे। यानी, चाय महज एक पेय पदार्थ नहीं बल्कि सैकड़ों कहानियों की जननी है। *

'पलकों की छांव में' के यादगार गीत 'डाकिया डाक लाया..' का सीन

'मैंने प्यार किया' में कबूतर ने निभाई डाकिए की भूमिका

बॉलीवुड / अशोक वाधवाणी

विशेषः भारतीय डाक सप्ताह 9-15 अक्टूबर

जीवन और समाज का शायद ही कोई विषय हो, जिस पर हिंदी फिल्में न बनी हों या गीत न रचे गए हों। चिट्ठी, पत्र और उसे पहुंचाने वाले डाकिए के इर्द-गिर्द भी कई फिल्में और गीत रचे गए हैं। इनमें से कुछ पर एक नजर।

फिल्मों में खूब दिखी है डाकिए की डाक

सोशल मीडिया और ईमेल के इस सुपर फास्ट संदेश भेजने के दौर में भी डाक, डाकघर और डाकिए की अहमियत-जरूरत को नकारा नहीं जा सकता। डाक विभाग ने भी बदलते युग में जरूरत के अनुसार अपनी संरचना और कार्यप्रणाली में काफी बदलाव, सुधार किए हैं। डाकघर को स्मार्ट बनाया जा रहा है। हिंदी फिल्मों में भी शुरुआती दौर से ही पत्र, पत्र के जरिए भेजे जाने वाले संदेश और डाकिए की भूमिका को लेकर कई फिल्मों में यादगार गीत और दृश्य फिल्माए गए हैं। कुछ फिल्मों के तो नाम में ही पत्र या लेटर शब्द को शामिल किया गया है।

यादगार हैं ये गीत: बात अगर शुरू करें उन गानों से, जिनमें खत, चिट्ठी, पत्र या डाकिए शब्द का इस्तेमाल हुआ है तो इसकी फेहरिस्त लंबी है। वर्ष 1955 में बनी फिल्म 'हा..हा..ही..ही..हो..हो' के गीत 'मैं हूं पोस्टमैन...' को आशा भोंसले ने गाया है। फिल्म में एक लड़की पोस्टमैन की वेशभूषा पहनकर यह गीत गाते हुए नजर आती है। इसके बाद फिल्म 'संगम' का गीत 'ये मेरा प्रेम पत्र पढ़कर...', फिल्म 'सरस्वती चंद्र' का गीत 'फूल तुम्हें भेजा है खत में...', फिल्म 'कन्यादान' का गाना 'लिखे जो खत तुझे। वो तेरी याद में...', फिल्म 'प्रेम पुजारी' का गीत 'फूलों के रंग से... तुझको लिखी रोज पाती...' और फिल्म 'आए दिन बहार के' में आशा भोसले का गाया गीत 'खत लिख दे सांवरिया के नाम बाबू...' भी अपने दौर में खूब पसंद किए गए और आज भी लोग इनको गुनगुनाते हैं। लेकिन डाकिए की भूमिका को जिस गीत से भरपूर लोकप्रियता मिली वह गीत है 'डाकिया डाक लाया...।' किशोर कुमार द्वारा गाए और राजेश खन्ना पर पिक्चराइज फिल्म 'पलकों की छांव में' के इस गाने का उल्लेख किए बिना आलेख अधूरा ही रह जाएगा। गुलजार की कलम का कमाल इस गीत में देख सकते हैं, जिन्होंने डाकिए की भूमिका को इस गाने में बहुत खूबसूरती से शब्दों में पिरोया है। 'चिट्ठी आई है, बड़े दिनों के बाद...(नाम)', 'कबूतर जा जा जा... पहले प्यार की पहली चिट्ठी...(मैंने प्यार किया)', 'हमने सनम को खत लिखा, खत में लिखा...(शक्ति)', 'संदेसे आते हैं, हमें तड़पाते हैं, जो चिट्ठी आती है...(बॉर्डर)' गीत भी बहुत मर्मस्पर्शी हैं। खासतौर पर 'बॉर्डर' का गीत से तो देश की सेवा में समर्पित सैनिक खुद को बहुत जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। इसी तरह फिल्म 'दुश्मन' का गाना 'चिट्ठी न कोई संदेस। जाने वो कौन-सा देस...' अपने साथी से दूर हर व्यक्ति के मन को भिगो देता है।

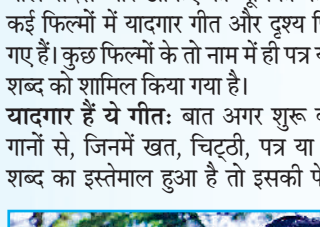
'संगम' के हिट गीत 'ये मेरा प्रेमपत्र...' का सीन

'वेलकम टू सज्जनपुर' का एक दृश्य

दिलचस्प हैं ये गीत : हिंदी फिल्मों में डाकिए और चिट्ठी को लेकर कुछ अजीबो-गरीब गाने भी बने हैं। जैसे- 'डाकिया बाबू डाकू है पक्का...(शेर-ए-हिंदुस्तान)।' इसी तरह 'पोस्टमैन हैं भैया.. (बाबूमोशाय बंदूकबाज)।'

बनी हैं इस पर कुछ फिल्में: पोस्टमैन की भूमिका वाली कुछ सशक्त फिल्में भी बनी हैं। नसीरुद्दीन शाह के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती पूरी कहानी है फिल्म 'फाइंडिंग फैनी' की, जो उन्हें एक लेटर मिलने के बाद ही शुरू होती है। विजय अरोड़ा की पोस्टमैन की भूमिका वाली 'गौतम गोविंदा' भी काफी चर्चित रही थी। इसके अलावा हाल में रिलीज हुई शॉर्ट फिल्म 'पोस्टमैन' में संजय मिश्रा पोस्टमैन के रोल में नजर आए। वर्ष 2008 में रिलीज हुई सोशल कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू सज्जनपुर' में बेरोजगार, ग्रेजुएट नायक रोजी-रोटी के लिए गांव वालों को पत्र लिखकर देता है। 'सिर्फ तुम' (1999) में संजय कपूर और प्रिया गिल के बीच चिट्ठियों का आदान-प्रदान दिखाया गया है। सोशल मीडिया के युग में भी उनके प्रेम पत्र नहीं अखरते। यह मनोरंजक रोमांटिक फिल्म बन पड़ी है। 'आखिरी खत' (1966) अलग हटकर बुनी गई एक कहानी पर बेस्ड बेहतरीन फिल्म है। 'प्रेम पत्र' (1962) में शशि कपूर और साधना के किरदारों के बीच चिट्ठी को लेकर कई भ्रम पैदा होते हैं। इस रोमांटिक फिल्म में कई सुमधुर गीत हैं। 'फर्स्ट लव लेटर' (1991) में विवेक मुश्रान, मनीषा कोईराला लीड रोल्स में हैं।

आज चिट्ठी-पत्र लिखने और डाक से भेजने का चलन बहुत कम हो गया है लेकिन ये हिंदी फिल्में और उसके गीत हमें हमेशा इनकी महत्ता की याद दिलाते रहेंगे। *

स्मरण
शिव चरण चौहान

गजलों की रानी के नाम से मशहूर बेगम अख्तर, अपनी तरह की बेमिसाल गायिका थीं। आगामी 7 अक्टूबर को उनकी जयंती पर बेगम अख्तर के जीवन और गायन सफर को याद कर रहे हैं लेखक।

बेमिसाल गायिका बेगम अख्तर

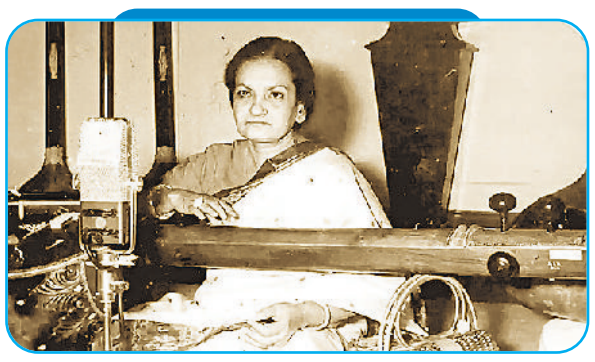

ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया/जाने, क्यों आज तेरे नाम पे रोना आया/जब जिक्र हुआ जमाने में मोहब्बत का शकील/मुझको अपने दिल ए नाकाम पे रोना आया।

गजल गायिका बेगम अख्तर की गाई इस गजल को जिसने भी सुना है, वह जानता है कि इसमें बेगम अख्तर का अपना दर्द भी समाया हुआ है। गजल हो या ठुमरी, दादरा या खयाल गायकी, बेगम अख्तर को भारतीय शास्त्रीय संगीत में महारत हासिल थी। वह लखनऊ के समृद्ध शास्त्रीय संगीत परंपरा से संबंधित थीं। उनकी मीठी आवाज ने गजल गायकी को एक नई दिशा प्रदान की।

बचपन से था संगीत से लगाव: बेगम अख्तर का जन्म 7 अक्टूबर 1910 को उत्तर प्रदेश के फैजाबाद में हुआ था। उनके बचपन का नाम उनकी मां ने बिब्बो रखा था। बाद में वह अख्तरी बाई फैजाबादी कहलाने लगीं। उनकी संगीत में विशेष रुचि थी। किराना घराने के अब्दुल वाहिद खान और पटियाला घराने के अता मोहम्मद से उन्होंने संगीत की तालीम हासिल की। उनकी पहली रिकॉर्डिंग 'वोह असिरे दमें' से लेकर ऑल इंडिया रेडियो के लिए की गई अंतिम रिकॉर्डिंग 'मैं ढूंढ़ता हूं जिसे वो यहां नहीं मिली' तक के गायन के सफर में उन्होंने कई नज्मों और गजलों को अपना स्वर प्रदान कर अमर बना दिया।

ऐसे मिली लोकप्रियता: सार्वजनिक मंच पर उनके गायन की शुरुआत से एक दिलचस्प घटना जुड़ी है। कलकत्ता (अब कोलकाता) की एक प्रख्यात नाटक कंपनी ने 1934 में बिहार में आए भूकंप पीड़ितों के सहायतार्थ संगीत सम्मेलन का आयोजन किया था। इसमें बड़े-बड़े फनकार आने वाले थे, लेकिन कुछ कारणों से वे लोग नहीं आ सके। दर्शकों ने शोर मचाना शुरू कर दिया तो उस्ताद अता मोहम्मद खान ने घोषणा की कि आने वाले मशहूर कलाकारों की अनुपस्थिति में एक नवोदित गायिका गाएंगी। वह गायिका उनकी प्रिय शिष्या अख्तरी बाई ही थीं। उन्हें केवल दो गजलें गाने के लिए कहा गया था, लेकिन उनकी आवाज के सम्मोहन से दर्शक इतने अधिक प्रभावित हुए कि उन्हें दर्शकों की फरमाइश पर चार गजलें और तीन दादरे सुनाने पड़े। इस कार्यक्रम ने इस गायिका अख्तरी बाई फैजाबादी यानी बेगम अख्तर को लोकप्रियता की बुलंदी पर पहुंचा दिया।

गायन का था अनोखा अंदाज: बेगम अख्तर, उर्दू की भी अच्छी जानकार थीं, इसलिए गजलों के लफ्जों और जज्बातों पर उनकी गहरी पकड़ थी। गजल गायन की उनकी एक विशेष शैली थी। उन्होंने न केवल प्रतिष्ठित उर्दू कवि, शायर, बल्कि नवोदित कवियों के लिए भी गाया। गजल, दादरा, ठुमरी के अलावा वह विशेष लखनवी अंदाज में सोजवाणी गाने के लिए भी प्रसिद्ध थीं। किसी कार्यक्रम में वह अपने गायन की शुरुआत प्रायः किराना शैली में ख्याल गायन से करती थीं, फिर ठुमरी, दादरा और गजल गाती थीं। उन्होंने देश भर में अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए और अपनी गायकी से लाखों लोगों के दिलों में अपना विशेष मुकाम हासिल किया।

फिल्मों में भी किया गायन: व्यक्तिगत जीवन में बेगम अख्तर बहुत ही खुशमिजाज महिला थीं। अपनी प्रसिद्धि का उन्हें जरा भी गुमान नहीं था। बेगम अख्तर ने करीब 9 फिल्मों में भी गायन किया और कुछ फिल्मों में अभिनय भी किया। भारत सरकार ने बेगम अख्तर को पद्मश्री से सम्मानित किया और मरणोपरांत उन्हें सन 1975 में पद्मभूषण भी प्रदान किया गया था। बेगम अख्तर को संगीत नाटक अकादमी सहित कई अन्य संस्थाओं के प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिले। *